सतना
30 जून 2026 मंगलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

सिया ने केतन से1 करोड़ लेकर चेतन को दिए

कैब ड्राइवर का दावा- सिया बाली नहीं जाना चाहती थी, केतन का पासपोर्ट गायब किया

पुणे,एजेंसी। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया दावा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिया ने केतन से शादी की शॉपिंग के नाम पर ?1 करोड़ लिए थे। लेकिन इन पैसों से शॉपिंग नहीं की, बल्कि पूरी रकम प्रेमी चेतन चौधरी को दे दी थी।

केतन-सिया की बाली प्री-वेडिंग ट्रिप के लिए 6 जून को उन्हें एयरपोर्ट छोड़ने वाले कैब ड्राइवर वैभव जाधव का बयान सामने आया। उसके मुताबिक सिया बाली नहीं जाना चाहती थी। उसके भाई साहिल ने उसे जबरन कार में बैठाया था। पुणे से रवेत (पिंपरी-चिंचवड़) तक भाई-बहन बहस करते रहे। वैभव के मुताबिक रास्ते में गाड़ी रोकी गई। कुछ देर बाद सिया आई, कार से कुछ सामान निकाला और बूट में छिपा लिया। जब मैं केतन-सिया और अन्य लोगों को सभी एयरपोर्ट छोड़कर निकला तो मुझ पर कॉल आया। कहा गया कि कैब में पासपोर्ट छूट गया है। अब पता चला कि सिया ने ही पासपोर्ट छिपाया था।

चेतन टोल से बचने के लिए स्कूटर से 90किलोमीटर पहुंचा... पुलिस के मुताबिक, चेतन पुणे से करीब 90 किलोमीटर दूर लोहगढ़ किले तक स्कूटर से पहुंचा था। उसने कार का इस्तेमाल नहीं किया, ताकि टोल प्लाजा पर कार का रिकॉर्ड न बने। पुलिस ने वह स्कूटर जब्त कर लिया है। चेतन हूडी पहनकर किले पर चढ़ा था। वहां पहुंचने के बाद उसने हूडी उतार दी और काली टी-शर्ट में रहा। मर्डर के बाद लौटते समय उसने फिर हूडी पहन ली। घटना के बाद वह उसी स्कूटर से पुणे लौट गया।

सेशेल्स में भारतीय समुदाय से मिले पीएम मोदी

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर भारत रवाना हुए

विक्टोरिया,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे के आखिरी दिन भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने विक्टोरिया में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाई।

प्रधानमंत्री ने अरुल मिहु नवशक्ति विनायकर मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने विक्टोरिया के पीस पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इसके बाद वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए है। इससे पहले भारत और सेशेल्स ने 19 बड़े समझौतों और विकास परियोजनाओं का ऐलान किया। इनमें सेशेल्स में UPI आधारित डिजिटल भुगतान शुरू करना, 1,250 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट (लोन), साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति शामिल है।

अकाल तख्त का आदेश-1 महीने में बेअदबी कानून संशोधित करो

» जत्थेदार ने सीएम मान के 2 वीडियो दिखाएं

अमृतसर,एजेंसी। श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को बेअदबी कानून जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट-2026 में एक महीने में संशोधन करने का आदेश दिया है। सोमवार (29 जून) को हुई सुनवाई के दौरान अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कानून पर 6 एतराज जताए। उन्होंने कहा कि सरकार बेअदबी करने वालों को सजा देने के लिए कानून बनाए, इस पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सिख शब्दावली, मर्यादा और पंथ से जुड़े मामलों में विधानसभा फैसला नहीं कर सकती।

तब तक इस कानून को होल्ड किया जाए। जत्थेदार ने 2 सवाल पूछे। इस दौरान विधायकों ने माना कि कानून को बिना पढ़े सहमति दी। सुनवाई से पहले जत्थेदार ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के दो वीडियो भी सुनवाए। पेशी के लिए

आप विधायकों ने कबूला, बिना पढ़े साइन किए

आप के सभी सिख मंत्री और विधायक नंगे पैर लिखित स्पष्टीकरण के साथ अकाल तख्त पहुंचे। कांग्रेस, अकाली दल और निर्दलीय विधायक भी सुनवाई में मौजूद रहे।

पहला सवाल: अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने सीएम भगवंत मान के 2 बयान सुनवाए। जिनमें वह कह रहे हैं कि अगर बेअदबी करने वाला मानसिक रोगी हुआ तो उसके मां-बाप या कस्टोडियन को सजा मिलेगी। उन्होंने ,क्क मंत्री-विधायकों से पूछा कि क्या ये बात कानून में लिखी है।

कृषि मंत्री गुरमीत खुड्डियां कोई स्पष्ट बात नहीं कर सके। इस पर विधायक इंद्रबीर सिंह निज्जर ने कहा कि इस सुनवाई का लाइव टेलीकास्ट नहीं करना चाहिए, यह संवेदनशील मसला है। इस पर अकाल तख्त जत्थेदार ने कहा कि सीएम ने ही हर कार्रवाई का लाइव टेलीकास्ट करने को कहा था। इसके लिए अकाल तख्त को ललकारा भी था।

दूसरा सवाल... अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि सरकार अपने कानून बनाए, अकाल तख्त को कोई एतराज नहीं लेकिन सिखों के लिए कोई कानून बने तो उसमें सिखों की राय लेनी चाहिए। उस कानून में शोध करनी थी तो हमें भी बुलाते। कानून में जो शोध की है उसके लिए क्या शिरोमणि कमेटी से कोई राय ली। इस पर आप विधायक इंद्रवीर निज्जर ने कहा कि जब सुझाव मांगे थे तब एसजीपीसी को बुलाया था।

अमरनाथ यात्रा से पहले बाबा बर्फानी की पहली पूजा हुई

=उपराज्यपाल ने दर्शन किए= यात्रा 3 जुलाई से शुरू, सिक्योरिटी का ट्रायल हुआ

जम्मू-श्रीनगर,एजेंसी। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के 3 दिन पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पहली पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (SASB) के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा में की।

इस साल 3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। कुल 57 दिनों की यात्रा चलेगी। अधिकारियों के मुताबिक, 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से यात्रा

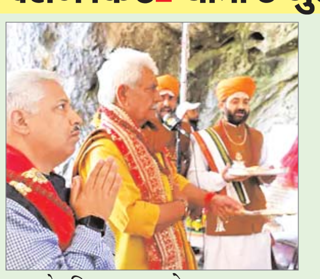

रूट के लिए रवाना होगा।

प्रशासन ने बेस अस्पताल शुरू किए: प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अधिकांश तैयारियां

पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर महागणेश टॉप के पास बर्फ हटाने का काम अंतिम चरण में है। अधिकारियों का कहना है कि इसे अगले दो से तीन दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

यात्रा का पूरा रुट 48 किलोमीटर लंबा है: अमरनाथ यात्रा के लिए दो रुट हैं, पहला 41 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम रुट और दूसरा 7 किलोमीटर लंबा बालटाल रुट। पहलगाम रुट अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक रुट है। यह से पवित्र गुफा तक पहुंचने में आमतौर पर 3 से 4 दिन लगते हैं।

इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण के अनुकूल हो जाता है। साथ ही, रास्ते में शेषनाग और पंचतरणी जैसे पौराणिक और धार्मिक महत्व वाले मंदिर के दर्शन भी होते हैं। वहीं, बालटाल रुट अपेक्षाकृत छोटा रास्ता है। इस मार्ग से श्रद्धालु कम समय में यात्रा पूरी कर सकते हैं, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी सीधी, खड़ी और कठिन मानी जाती है।

यही वजह है कि यह रुट बुजुर्गों, बच्चों और कम शारीरिक क्षमता वाले श्रद्धालुओं के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

ट्रायल काफिला रामबन जिला पहुंचा... यात्रा से पहले जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रायल काफिले का ड्राई रन भी किया गया। ट्रायल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, काफिले की आवाजाही, लॉजिस्टिक्स और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का परीक्षण किया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच ट्रायल काफिला करीब चार घंटे में रामबन जिला मुख्यालय पहुंचा। इस दौरान घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आम वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई।

22 राज्यों तक पहुंचे मानसून की रफ्तार धीमी पड़ी

असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल में भारी बारिश का अलर्ट; 6 राज्यों में प्री-मानसून बारिश जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। मानसून ने 24 जून तक देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है, लेकिन बीते 5 दिन से इसकी रफ्तार धीमी पड़ी है। यह मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में आगे नहीं बढ़ पा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। 6 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है।

विभाग ने असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों और सिक्किम में आज तेज बारिश और कुछ जगहों के लिए बहुत तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। मध्य प्रदेश में रविवार को बड़वानी के सेंधवा में उफनाए पुल पार करते समय एक ट्रैक्टर और उसका ड्राइवर बह गया। ड्राइवर अभी भी लापता है।

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में रविवार को बारिश से कच्चे मकान की एक दीवार ढह गई, हादसे में 2 बच्चियों की मौत हो गई। सुकमा के गांव में बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई, 4 अन्य घायल हैं।

निहंग विवाद में मध्यस्थता कर रहे जसदीप सिंह की आपत्तिजनक फोटो लीक

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड में निहंग और स्थानीय लोगों के विवाद में मध्यस्थता करने उत्तराखंड पहुंचे निहंग जसदीप सिंह की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। रविवार को पंजाब लौटने पर एक स्वागत कार्यक्रम में पहले जसदीप सिंह पर हमले की कोशिश हुई और शाम को जसदीप के आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। निहंग विक्की थॉमस ने जसदीप पर पर गंभीर आरोप लगाते हुए उससे ककार त्यागने और माफी मांगने को कहा है। दरअसल सोशल मीडिया पर निहंग विक्की थॉमस सिंह ने करीब 11 मिनट लंबा वीडियो शेयर किया है। इसमें विक्की थॉमस ने पूरे मामले पर विस्तार से बात की और कथित तस्वीरें भी दिखाई। वीडियो में दावा किया गया कि तस्वीरों में दिखाई देने वाला व्यक्ति जसदीप सिंह है। उनके अनुसार, तस्वीरों में जसदीप सिंह बिना कपड़ों के एक अन्य सिख युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहे हैं। विक्की थॉमस ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उनके मन में जसदीप सिंह के लिए जो सम्मान था, वह इन तस्वीरों के सामने आने के बाद समाप्त हो गया। निहंग विकी थॉमस ने दावा किया कि तस्वीरों की पुष्टि करने के लिए उन्होंने जसदीप सिंह से वीडियो कॉल पर बात की और उसी बातचीत की रिकॉर्डिंग भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। बातचीत में जसदीप से स्वीकार किया कि ये उसी की तस्वीरें हैं और उससे गलती हुई है। जसदीप ने कबूल किया कि नशे की हालत में ये गलती हुई है।

हालांकि अकाल तख्त की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है और न ही शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने कोई बयान दिया है। इसी वजह से वायरल दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

मोहाली में जसदीप पर हमले की कोशिश... रविवार को जमानत मिलने के बाद पंजाब लौटे निहंगों के स्वागत के लिए मोहाली के सोहाना गुरुद्वारे में एक समारोह रखा गया। कार्यक्रम के दौरान एक युवक जसदीप सिंह के पास पहुंचा और उन पर हमला करने की कोशिश की। इससे अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद निहंगों और संगत ने तुरंत युवक को पकड़ लिया। युवक की पिटाई की गई। धक्का-मुक्की में युवक के कपड़े भी फट गए। कुछ देर तक गुरुद्वारा परिसर में तनाव का माहौल बना रहा। सूचना मिलते ही सोहना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महौल शांत कराया।

उद्धव ठाकरे ने भाजपा को 'बाबर जनता पार्टी' बताया

» कहा- 6 बागी सांसदों की सदस्यता रद्द हो, वे विकास नहीं, स्वार्थ के लिए गए

धाराशिव/परभणी,एजेंसी। शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुए छह 6 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अगर देश में कानून का राज है तो इन सांसदों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। ये सांसद विकास के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए गए हैं।'

उद्धव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाते हुए भाजपा का 'बाबर जनता पार्टी' बताया। उन्होंने कहा, 'बाबर ने राम मंदिर तोड़ा था। अब बाबर जनता पार्टी नए बने राम मंदिर को लूट रही है। दोनों में क्या फर्क है?'

उद्धव इन दिनों मराठवाड़ा के दौरे पर हैं। बाकी सांसदों के संसदीय क्षेत्रों में जाकर जनसभाएं कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने परभणी और धाराशिव में अलग-अलग सभाओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि गडकरी के पर इसलिए काटे गए, ताकि वे प्रधानमंत्री न बन सकें। अगर वे दूसरी बार बीजेपी अध्यक्ष बनते तो RSS के समर्थन से प्रधानमंत्री बन सकते थे। शिवसेना को तोड़ने के पीछे भी देवेंद्र फडणवीस को रोकने की राजनीति है। वे दिल्ली जाने का सपना देख रहे हैं। यह महाराष्ट्र के लिए एक और झटका होगा।

सांसदों को तोड़ने को ऑपरेशन देवेंद्र बताया... परभणी में ही उद्धव ने कहा कि छह सांसदों का दल-बदल 'ऑपरेशन देवेंद्र' का हिस्सा है। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व पहले अपने ही नेताओं के पर काटता है। शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस इसका उदाहरण हैं।

फ्रांस में गर्मी से 1000 लोगों की मौत

जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन समेत 16 देशों में रिकॉर्डतोड़ तापमान

पेरिस, लंदन, मैड्रिड,एजेंसी। यूरोप इन दिनों रिकॉर्डतोड़ हीटवेव की चपेट में है। फ्रांस में भीषण गर्मी से करीब 1,000 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई है। हेल्थ एजेंसी ने रविवार को बताया कि ये मौतें 24 जून से 27 जून के बीच हुई। अतिरिक्त मौतों का मतलब है कि पिछले कुछ साल में हुई औसत मौतों की तुलना में इस बार करीब 1000 लोग ज्यादा मरे हैं। हालांकि सरकार ने न ही पिछली बार और न ही इस बार का कोई सटीक आंकड़ा दिया है। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 85% बुजुर्ग हैं। सबसे अधिक मौतें घरों में हुई।

खासकर राजधानी पेरिस और उसके आसपास के इलाकों वाले इलाके में ऐसे मामले ज्यादा सामने आए। वहीं, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, डेनमार्क, इटली और स्विट्जरलैंड समेत 16 देशों में तापमान ने दशकों पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

राम मंदिर चोरी: चंपत राय से पुलिस की पूछताछ

» सुप्रीम कोर्ट का तुरंत सुनवाई से इनकार

अयोध्या/लखनऊ,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ की गई। उनके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद चंपत राय दिल्ली चले गए। इस बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील अनूप अवस्थी की CBI जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए कोर्ट ने पूछा कि इतनी जल्दी क्या है। छुट्टियों के बाद ही मामला सुना जाएगा।

इधर, पुलिस सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे जेल में बंद 8 आरोपियों के खाते खंगालने के लिए SBI की अयोध्या धाम ब्रांच पहुंची। 7 आरोपियों के खाते इसी ब्रांच में हैं। पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट लिए। अब यह जांच की जाएगी कि मंदिर में नौकरी के बाद से उनके खातों में कितना पैसा आया। पुलिस ने बैंक के 2 कर्मचारियों को भी नोटिस दिया है।

सोमवार को सभी 8 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस आरोपियों की रिमांड मांग सकती है। हालांकि, इससे पहले ही अयोध्या के वकीलों ने बड़ी बैठक की। इसमें फैसला लिया कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा। साथ ही, चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के अयोध्या छोड़ने की मांग की।

अयोध्या के वकील बोले- आरोपियों की पैरवी नहीं करेंगे

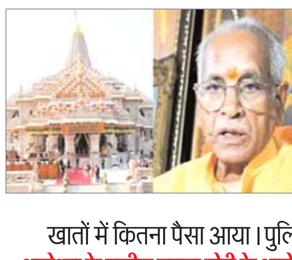

पुलिस ने चढ़ावा चोरी के आरोपियों के बैंक अकाउंट स्टेटमेंट लिए... पुलिस की टीम ने SBI की अयोध्या धाम शाखा में जांच पड़ताल की। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी के 8 आरोपियों में से 7 के खाते इसी ब्रांच में हैं। पुलिस ने उनके बैंक अकाउंट के स्टेटमेंट ले लिए हैं। अब यह जांच की जाएगी कि मंदिर में नौकरी के बाद से उनके खातों में कितना पैसा आया। पुलिस मंदिर ट्रस्ट के लॉकर की भी जांच कर सकती है। **अयोध्या के वकील चढ़ावा चोरी के आरोपियों की पैरवी नहीं करेंगे...** अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्थानीय वकीलों ने आरोपियों की पैरवी करने से इनकार कर दिया है। वकीलों का कहना है कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है।

पुणे में 65 साल के रेप-मर्डर के दोषी को फांसी

3 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था फास्टट्रैक कोर्ट का 60 दिन में फैसला

पुणे,एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले में विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था। सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं।

बच्ची गर्मियों की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आई हुई थी: यह घटना 1 मई को पुणे जिले के नसरापुर गांव में हुई थी। बच्ची गर्मियों की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आई हुई थी। दोपहर 3 से 4 बजे के बीच कांबले ने उसे खाने-पीने की चीजें और गाय का नवजात बछड़ा दिखाने का लालच देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया।

भीमराव कांबले, आरोपी

इसके बाद वह उसे मवेशियों के तबेले के पास बने एक शेड में ले गया, जहाँ उसने उसके साथ रेप किया और फिर उसकी हत्या कर दी।

अमेरिका और ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकने पर राजी

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले 3 दिनों से हमले जारी थे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान में 17 जून को हुए समझौते (MoU) के सभी बिंदुओं पर बातचीत जारी रहेगी। इसी सिलसिले में मंगलवार को कतर में दोनों देशों के प्रतिनिधि तकनीकी स्तर की वार्ता करेंगे।

समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही नहीं रोकी जाएगी। हाल के दिनों में इसी जलमार्ग को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

अयोध्या राम मंदिर चंदा विवादः पिनाराई विजयन ने की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला अब राष्ट्रीय राजनीति का बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। इस विवाद में अब केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता और सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री विजयन भी कूद पड़े हैं। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। फेसबुक पर जारी अपने बयान में विजयन ने आरोपों को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि मंदिर निर्माण और संचालन के लिए जुटाए गए चंदे का उपयोग किस प्रकार किया गया। विजयन ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए लोगों की आस्था का इस्तेमाल किया गया और इसकी आड़ में वित्तीय अनियमितताएं भी हुईं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस मामले पर जवाब देने की मांग की। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है, जिसने अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले को लेकर विपक्षी दल लगातार निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं।

पिनाराई विजयन ने उठाए गंभीर सवालः सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री विजयन ने फेसबुक पोस्ट में वित्तीय गड़बड़ी की खबरों को 'बेहद गंभीर' बताया और कहा कि इनसे लोगों की आस्था और धार्मिक भावनाओं के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंताजनक सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने राजनीतिक फायदे के लिए लोगों की आस्था का इस्तेमाल किया, उन्होंने इसकी आड़ में सुनियोजित तरीके से वित्तीय धोखाधड़ी भी की।

चंदे का हिसाब जनता को बताया जाएः विजयन ने दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टियों के संघ परिवार से जुड़े संगठनों के साथ करीबी संबंध थे और कहा कि उनकी यह जिम्मेदारी है कि वे बताएं कि लाखों भक्तों से इकट्ठा किया गया पैसा कैसे खर्च किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी से भी मांगा जवाबः उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने का हक है कि चंदा कहां गया। विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन आरोपों पर जवाब देने को कहा, क्योंकि उन्होंने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अहम भूमिका निभाई थी। सीएम पिनाराई विजयन ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आधिकारिक संसदीय अधिसूचना के जरिए बनाए गए ट्रस्ट पर अब शक के बादल मंडरा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग तेज

विजयन के मुताबिक, मंदिर के फंड को लेकर चल रहा विवाद संघ परिवार की राजनीति के 'असली चरित्र' को दिखाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों की आस्था का इस्तेमाल न सिर्फ राजनीतिक मकसद के लिए, बल्कि पैसे कमाने के लिए भी किया गया। निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए विजयन ने केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट की सीधी निगरानी में उच्च-स्तरीय जांच का आदेश देने को कहा।

एसआईटी जांच में अब तक आठ गिरफ्तार

उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ स्वतंत्र और न्यायिक निगरानी वाली जांच ही सच का पता लगा सकती है, जवाबदेही तय कर सकती है और मंदिर प्रोजेक्ट में योगदान देने वाले लाखों भक्तों का भरोसा फिर से कायम कर सकती है। उनके आधिकारिक फेसबुक पोस्ट के जरिए की गई इन टिप्पणियों ने अयोध्या राम मंदिर के निर्माण के लिए इकट्ठा किए गए चंदे के प्रबंधन को लेकर चल रहे विवाद में एक नया राजनीतिक पहलू जोड़ दिया है। इस मामले की जांच कर रही एसआईटी ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

जम्मू-कश्मीर में बड़ा सड़क हादसा, सीआईएसएफ जवानों से भरी बस हुई दुर्घटनाग्रस्त ,8 जवान समेत 9 घायल, जांच शुरू

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों को ले जा रही एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में सीआईएसएफ के आठ जवानों और बस चालक समेत कुल नौ लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

● अस्पताल में चल रहा इलाज

हादसे में घायल तीन सीआईएसएफ जवानों को बेहतर इलाज के लिए नारायणा अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायल जवानों और बस चालक का स्थानीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। इससे एक दिन पहले शनिवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भी एक भीषण सड़क हादसा हुआ था। भद्रवाह के बस्ती गांव के पास एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया था। हादसे में 60 वर्षीय जैतून बीबी और 65 वर्षीय इमाम दीन की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए थे।

● दुर्घटना के प्रमुख कारण

पुलिस के मुताबिक, पहाड़ी क्षेत्रों में खराब सड़कें, ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार, खतरनाक तरीके से ओवरटेक करना और लापरवाही से वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। डोडा, किश्तवाड़, राजौरी, पुंछ, रामबन, उधमपुर और रियासी जैसे पहाड़ी जिलों में इस तरह के हादसे अक्सर सामने आते रहते हैं। यातायात विभाग ने इन क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के लिए विशेष टीमें तैनात की हैं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा पेट्रोल पंप संचालकों को बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों को ईंधन नहीं देने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन विभाग समय-समय पर यातायात नियमों और उनसे जुड़े दंड को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाता है।

मुहर्रम जुलूस में जहरीला कैप्सूल बांटने का मामला, पुलिस कस्टडी में भेजा गया आरोपी फैयाज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की एक अदालत ने पुणे के रहने वाले फैयाज निसार प्रेमजी को सोमवार तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है. फैयाज निसार पर मुंबई में मुहर्रम जुलूस के दौरान शोक मनाने वालों के बीच चूहे मारने की दवा बांटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. फैयाज पुणे के विमान नगर इलाके के रहने वाला है. मुंबई पुलिस ने शनिवार को शहर के बायकुला इलाके में मुहर्रम के जुलूस के दौरान 'पेनकिलर' के तौर पर 'जिंक फॉस्फाइड' की गोलियां बांटने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया था. मुंबई के डीसीपी जयंत मीणा ने ईटीवी भारत को बताया कि 39 वर्षीय फैयाज निसार प्रेमजी बहुत पढ़ा-लिखा व्यक्ति है और उसके पास [illegible] की डिग्री है. मीणा ने कहा कि मुंबई पुलिस ने उसके खिलाफ [illegible] की धारा 109, 110 और 123 के तहत हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया है. डीसीपी के अनुसार, पुलिस जांच से पता चला है कि फैयाज 2019 और 2025 के बीच कई बार इराक और ईरान गया था.

कैप्सूल से निकाला जिंक फॉस्फाइडः पुलिस अधिकारी ने कहा, 'रिकॉर्ड बताते हैं कि वह पिछले साल सिर्फ 19 दिनों के अंदर तीन बार ईरान गया था. पुलिस अभी फैयाज के ईरान का बार-बार दौरा करने की सही वजह, क्या इसका किसी अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद समूह से संबंध है, और पिछले 15 दिनों में डोंगरी इलाके के एक गेस्ट हाउस में उसके रुकने की जानकारी की जांच कर रही है. '

जिंक फॉस्फाइड के 14,900 कैप्सूल बरामदः मुंबई पुलिस ने आरोपी फैयाज को रंगे हाथों गिरफ्तार किया था और उसके पास से जिंक फॉस्फाइड के 14,900 कैप्सूल बरामद हुए थे. इन जहरीले कैप्सूल के सेवन से 10 से 12 युवक बीमार पड़ गए और उन्हें दक्षिण मुंबई के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. जांच में यह भी पता चला कि फैयाज ने बड़ी संख्या में लोगों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से 100 किलोग्राम जहरीला केमिकल 'जिंक फॉस्फाइड' और 30,000 खाली कैप्सूल ऑनलाइन ऑर्डर किए थे. आरोपी ने अपने कबूलनामे में बताया कि उसने 14,900 कैप्सूल में से हर एक में एक ग्राम जिंक फॉस्फाइड मिलाकर ये जहरीली गोलियां बनाई थीं. डीसीपी जयंत मीणा ने कहा कि पुलिस मामले में सभी पहलुओं से विस्तृत जांच कर रही है.

गैस संकट से जूझ रहा पाकिस्तान, अब ईरान से है बड़ी उम्मीद

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पिछले कुछ वक्त से गैस की समस्या से जूझ रहा है। पाकिस्तान के अर्थशास्त्री महमूद रसूल ने कहाकि वहां के अधिकांश हिस्सों में इस समय गैस की गंभीर कमी है। उन्होंने आगे कहाकि सरकार संकट के कारण खासकर पंजाब में उपभोक्ताओं को दिन में कुछ घंटे के लिए गैस दे रही है। इस समस्या से निबटने के लिए पाकिस्तान की नजरें अब ईरान की तरफ लगी हुई हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। अब वह शांति समझौते का फायदा उठाने की तैयारी में है। गौरतलब है कि अमेरिका ने अस्थायी तौर पर प्रतिबंधों को आसान कर दिया है। उसने 60 दिन की छूट जारी की है जो ईरान को विशिष्ट शर्तों के तहत कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद एक्सपोर्ट करने की अनुमति देती है। हालांकि यह प्रतिबंधों की स्थायी छूट नहीं है और यह छूट अमेरिका-ईरान वार्ताओं के परिणाम के आधार पर नवीनीकृत या समाप्त की जा सकती है। इस फैसले के बाद, कई जगहों से ईरान से सस्ता तेल और गैस खरीदने की मांग उठी है ताकि आम जनता को फायदा हो सके। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने लाहौर में कहाकि ईरान-अमेरिका संघर्ष समाप्त होने के बाद खाड़ी क्षेत्र में शांति बहाल हुई है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम की कीमतों में गिरावट आई है।

तेलंगाना में जल्द खिलेगा कमल, 'डबल इंजन सरकार' का लक्ष्य भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने तेलंगाना में पार्टी की सरकार बनने का भरोसा जताते हुए कहा कि राज्य में 'कमल खिलने' का दिन अब दूर नहीं है। हैदराबाद के शमशाबाद में रंगारेड्डी ग्रामीण जिला भाजपा कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आग्रह किया। नितिन नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने संघर्ष और संगठन के दम पर सफलता हासिल की है और तेलंगाना में भी उसी मॉडल को अपनाते हुए पार्टी सत्ता तक पहुंचेगी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार और कुशासन के आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राज्य में 'डबल इंजन सरकार' बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटें। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि देशभर में भगवा विचारधारा मजबूत हो रही है और तेलंगाना भी जल्द इस बदलाव का हिस्सा बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ तभी मिलेगा, जब राज्य में भी भाजपा की सरकार बनेगी।

पश्चिम बंगाल मॉडल दोहराएगी BJP : नितिन नवीन ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहे लोगों ने शासन को केवल व्यक्तिगत लाभ का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि आने वाले दिनों में भाजपा कार्यकर्ता इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सड़कों पर संघर्ष करने को तैयार हैं। हमने पश्चिम बंगाल में संघर्ष किया, त्याग किया, कठिन परिश्रम किया और अंततः वहां कमल खिलाया। '

तेलंगाना होगा 'भगवामय : उन्होंने दावा किया कि देश के विभिन्न हिस्सों में भगवा विचारधारा मजबूत हो रही है और वह दिन दूर नहीं जब तेलंगाना भी 'भगवामय' होगा। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार को सत्ता से हटाने में भाजपा की भूमिका निर्णायक रही, लेकिन उसका राजनीतिक लाभ कांग्रेस को मिल गया।

कांग्रेस सरकार पर भाजपा का हमला

उन्होंने कांग्रेस पर राष्ट्रीय हितों से समझौता करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं में तेलंगाना की 'भ्रष्ट और अराजक' कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर करने की क्षमता है। नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा, 'हमें हर मोहल्ले, हर गली और हर कस्बे तक पहुंचना होगा। भाजपा की विचारधारा, नीतियों और जनहित के संकल्प को लोगों तक पहुंचाना होगा। जनता के सामने हमारी नीतियां और हमारी मंशा पूरी तरह स्पष्ट है।'

डबल इंजन सरकार पर भाजपा का जोर

उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से तेलंगाना के लोगों की सेवा कर रही है, लेकिन राज्य का समग्र विकास तभी संभव है जब यहां भी भाजपा की 'डबल इंजन सरकार' बने। तेलंगाना को भाजपा के लिए विशेष महत्व का राज्य बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 1984 में जब पूरे देश में भाजपा के केवल दो सांसद थे, तब उनमें से एक तेलंगाना क्षेत्र से था। उन्होंने कहा, 'जो लोग भाजपा को बाहरी पार्टी बताते हैं, उन्हें इस ऐतिहासिक तथ्य को याद रखना चाहिए।'

2047 तक 'विकसित भारत' बनाने का लक्ष्य

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुशासन का मॉडल देख रहा है और भाजपा 'राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय और स्वयं अंतिम' की विचारधारा के साथ जनता की सेवा कर रही है। नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ आगे बढ़ रही है और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करना उसका संकल्प है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि विकसित भारत के विजन को साकार करना है और प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देश के 140 करोड़ लोगों तक पहुंचाना है, तो तेलंगाना में भी कमल का खिलना आवश्यक है।बता दें कि इससे पहले, दो दिवसीय तेलंगाना दौरे पर हैदराबाद पहुंचे नितिन नवीन का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया।

तेलंगाना में उर्दू पढ़ाने पर बवाल, कांग्रेस का आरोप- BJP नेताओं ने स्कूल में प्रिंसिपल से की मारपीट

हैदराबाद, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से निजामाबाद जिले में उर्दू पढ़ाने को लेकर एक स्कूल के प्रिंसिपल के साथ कथित मारपीट करने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। डॉ. शमा मोहम्मद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि भाजपा से जुड़े कुछ लोग स्कूल परिसर में घुस गए और उर्दू पढ़ा रहे शिक्षक के साथ पुलिस की मौजूदगी में मारपीट की। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को टैग करते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित करने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

BJP पर लगाए गंभीर आरोपः उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि अब भाजपा को उर्दू भाषा से भी समस्या हो गई है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे पर भी सवाल उठाया। यह घटना शनिवार को निजामाबाद जिले के आर्मूर स्थित भारथ चंद्र स्कूल में हुई। आरोप है कि कुछ स्थानीय भाजपा नेता स्कूल परिसर में पहुंचे और प्रिंसिपल आमेर खान के साथ मारपीट की। उनका आरोप था कि स्कूल में उर्दू को दूसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जा रहा है। भाजपा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि बच्चों को उर्दू गीत और धार्मिक सामग्री पढ़ाई जा रही है, जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई।

तेलंगाना बन रहा आरएसएस की प्रयोगशालाः अमजद उल्लाहः मामले पर मजलिस बचाओ तहरीक (एमबीटी) के नेता अमजद उल्लाह खान ने भी घटना की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के शासन में तेलंगाना धीरे-धीरे आरएसएस की प्रयोगशाला बनता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि निजामाबाद में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर लगातार हमले हो रहे हैं और पुलिस की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाए जाने और चुनिंदा पुलिस कार्रवाई से राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। साथ ही आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार की 'सॉफ्ट हिंदुत्व' की राजनीति देशभर में कांग्रेस के भविष्य को नुकसान पहुंचा रही है।

क्या है पूरा मामलाः प्रिंसिपल आमेर खान का आरोप है कि उनके और एक अन्य शिक्षक को पुलिस थाने ले जाया गया, जहां उन्हें काफी देर तक फर्श पर बैठाकर रखा गया। उनका कहना है कि उनके साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। आमेर खान ने बताया कि अभिभावकों की मांग पर स्कूल में उर्दू को दूसरी भाषा के रूप में शुरू किया गया था और इसके लिए एक शिक्षक की नियुक्ति भी की गई थी। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन उर्दू विभाग के लिए अलग ब्लॉक बनाने की योजना बना रहा था, लेकिन नए शिक्षक को इसकी जानकारी नहीं थी, इसलिए उन्होंने संयुक्त कक्षा ले ली। इस घटना के विरोध में विभिन्न संगठनों ने सोमवार को निजामाबाद बंद का आह्वान किया है।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख की चेतावनीः यूरोप में हीटवेव से हुईं 1300 से अधिक अतिरिक्त मौतें

जिनेवा, एजेंसी। यूरोप। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रियेसस ने यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी (हीटवेव) को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यूरोप में गर्मियों की शुरुआत में आई यह अभूतपूर्व हीटवेव सैकड़ों अतिरिक्त मौतों के लिए जिम्मेदार हो सकती है। रविवार को पूरे महाद्वीप में तापमान के कई रिकॉर्ड टूट गए, और भीषण गर्मी का यह दौर अब पूर्वी यूरोप की ओर भी बढ़ता जा रहा है।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किए गए एक पोस्ट में डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस ने बताया कि 21 जून के बाद से यूरोप में 'उच्च तापमान से जुड़ी' 1,300 से अधिक अतिरिक्त मौतों के मामले दर्ज किए गए हैं। अनुकूल नहीं हैं इमारतेंः टेड्रोस ने कहा कि गर्मी से होने वाले शारीरिक तनाव को अक्सर 'साइलेंट किलर' (खामोश कातिल) कहा जाता है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि यूरोप के घर, दफ्तर और स्कूल इतने अधिक तापमान को सहने के लिए तैयार नहीं किए गए हैं।

दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा यूरोपः उन्होंने चेतावनी दी कि यूरोप पृथ्वी का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यहां तापमान में बढ़ोतरी की रफ्तार वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी है।

टूट रहे रिकॉर्डः यूरोप में पड़ रही इस भीषण गर्मी के कारण जर्मनी, पोलैंड और चेक रिपब्लिक जैसे देशों में भी तापमान के नए रिकॉर्ड दर्ज किए गए हैं।

फ्रांस में सबसे ज्यादा असर, 1000 से अधिक मौतेंः भीषण गर्मी का सबसे घातक असर फ्रांस में देखने को मिल रहा है। रविवार सुबह फ्रांस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार हालात बेहद चिंताजनक हैं।

फ्रांस में स्काइडाइविंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, 11 लोगों की मौत,सऊदी हेलीकॉप्टर क्रैश में 14 की गई जान

नैंसी (फ्रांस), एजेंसी। उत्तर-पूर्वी फ्रांस में रविवार को 'स्काइडाइविंग' में इस्तेमाल होने वाला एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई. यह जानकारी एक अधिकारी ने दी. मर्थ-ए-मोसेल क्षेत्र के अधिकारी यवेस सेगुई ने दुर्घटनास्थल के पास पत्रकारों को बताया कि विमान स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11 बजे नैंसी शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ. उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अधिकारी चश्मदीदों के बयान दर्ज कर रहे हैं.

हादसे की असली वजह सामने नहीं आईः फिलहाल हादसे की असली वजह सामने नहीं आई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विमान तकनीकी खराबी, मौसम या किसी अन्य कारण से क्रैश हुआ. ब्लैक बॉक्स और अन्य तकनीकी डेटा की जांच के बाद ही दुर्घटना की असली वजह साफ हो पाएगी यह हादसा फ्रांस के हालिया सबसे गंभीर विमान हादसों में से एक माना जा रहा है. गृह मंत्रालय ने बताया कि गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज़ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं. पुलिस ने लोगों से साल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट इलाके से पूरी तरह दूर रहने को भी कहा था. पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आपातकालीन सेवाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए रास्ता साफ़ रखने के लिए, घटनास्थल पर न जाएं. उनकी कार्रवाई में सहयोग करने के लिए धन्यवाद.

सऊदी अरब में क्रैश हुआ हेलीकॉप्टरः सऊदी अरब की सरकारी समाचार एजेंसी ने रविवार को बताया कि सऊदी अरब की बड़ी तेल कंपनी 'अरामको' का एक हेलीकॉप्टर देश के 'रास तनूरा' इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई.

हेलीकॉप्टर दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच चल रही है. 'रास तनूरा' में पश्चिम एशिया क्षेत्र की सबसे बड़ी रिफाइनरी है और इसे सऊदी अरामको ही चलाती है.सऊदी प्रेस एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दुर्घटना में मारे गए सभी लोग सऊदी अरब के नागरिक थे.

पूर्वी फ्रांस में हुआ हादसाः पूर्वी फ्रांस में रविवार को नैन्सी शहर के निकट टॉमब्लेन इलाके में यह विमान हादसा हुआ है। इसमें पायलट समेत 11 लोगों सवार थे। सभी की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का है। हादसे पर जानकारी देते हुए स्थानीय प्रशासन ने बताया कि इस दुर्घटना में विमान पायलट समेत विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोग स्काई डाइविंग के लिए जा रहे थे। इस दौरान स्थानीय पुलिस ने लोगों से टॉमब्लेन हवाई अड्डे वाले इलाके से दूर रहने का निर्देश दिया है।

पैराशूट ट्रेनिंग स्कूल का है विमानः मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे का शिकार प्लेन, पिलाटस पीसी-6 टर्बो पोर्टर नाम का है। यह विमान पैराशूट ट्रेनिंग स्कूल से जुड़ा था। ट्रेनिंग के लिए विमान में 11 लोग सवार होकर जा रहे थे। हादसे में मृत लोगों में 5 इंस्ट्रक्टर और 5 छात्र भी शामिल थे। मतलब हादसे में विमान में मौजूद सभी व्यक्तियों की मौत हो गई।

आकांक्षी विकासखंड हनुमना में केंद्रीय प्रभारी ने योजनाओं की प्रगति का किया निरीक्षण, 90 दिवसीय सुधार कार्ययोजना को मिली स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। भारत सरकार की केंद्रीय प्रभारी एवं संयुक्त विकास आयुक्त रुक्मणी अत्रि ने आकांक्षी विकासखंड हनुमना का दौरा कर विभिन्न विकास योजनाओं और सरकारी कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत निरीक्षण एवं समीक्षा की इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में संचालित प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान केंद्रीय प्रभारी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, संस्थागत प्रसव व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की पूर्णता स्थिति, मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण तथा शौचालययुक्त आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण करते हुए बालिका शौचालय, डिजिटल क्लासरूम और ड्रॉपआउट नियंत्रण के प्रयासों की भी जानकारी ली उन्होंने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलैया में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था का अवलोकन किया तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हनुमना में ओपीडी सेवाएं, प्रयोगशाला, दवा वितरण काउंटर, प्रसव कक्ष और टीकाकरण केंद्र की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया इसके अतिरिक्त वार्ड क्रमांक 5 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र, दीदी कैफे और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का भी उन्होंने दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर संजय कुमार जैन ने आकांक्षी ब्लॉक की प्रगति और विभिन्न विकास संकेतकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की इस दौरान क्षेत्र में की जा रही कुछ उत्कृष्ट पहलों को भी केंद्रीय प्रभारी के समक्ष रखा गया जिनमें महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित 'दीदी कैफे', अमृत सरोवरों का पुनर्जीवन एवं जल संरक्षण की पहल, तथा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के प्रयास शामिल रहे सीएम राइज स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और डिजिटल अधोसंरचना के मॉडल को भी सराहा गया। इसके बाद एसडीएम कार्यालय हनुमना में आयोजित समीक्षा बैठक में आकांक्षी विकासखंड के की-परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स पर आधारित 90 दिवसीय सुधार कार्ययोजना को केंद्रीय प्रभारी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई उन्होंने क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए तैयार किए गए विभिन्न प्रस्तावों पर सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की तथा संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में हनुमना विकासखंड को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की योजनाओं में प्राथमिकता देने पर भी सहमति बनी केंद्रीय प्रभारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी ढंग से किया जाए तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि आकांक्षी विकासखंड के सभी प्रमुख संकेतकों में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित हो सके।

निरीक्षण और समीक्षा बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम हनुमना राजेश मेहता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सभी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू कर क्षेत्र के समग्र विकास को गति दी जाएगी।

गोरखपुर एक्सप्रेस के एसी कोच से युवती सूटकेस सहित लापता, रेलवे में हड़कंप

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। गोरखपुर एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर कर रही एक युवती के रहस्यमयी ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है अंजलि नाम की यह युवती अपने पिता अशोक यादव के साथ यात्रा कर रही थी लेकिन रात के समय अचानक वह अपनी बर्थ से गायब हो गई जिससे पूरे परिवार में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 2 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है। जब पिता अशोक यादव की नींद खुली तो उन्होंने पाया कि उनकी बेटी अपनी सीट पर मौजूद नहीं है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि युवती का सूटकेस भी उसके साथ गायब था परिजनों के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब ट्रेन कटनी, दमोह और सागर रेलवे स्टेशनों के बीच के रूट पर चल रही थी। अचानक युवती और उसका सामान गायब होने से परिजन घबरा गए और उन्होंने तत्काल इसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी को दी घटना की गंभीरता को देखते हुए मैहर जीआरपी में मामला दर्ज कर लिया गया है इसके साथ ही आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीमों ने जांच शुरू कर दी है ट्रेन के रूट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य यात्रियों से पूछताछ के आधार पर मामले की पड़ताल की जा रही है फिलहाल युवती का कोई सुराग नहीं मिल पाया है जिससे मामला और अधिक संदिग्ध हो गया है रेलवे प्रशासन ने कहा है कि हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है गोरखपुर एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर कर रही एक युवती के रहस्यमयी ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। अंजलि नाम की यह युवती अपने पिता अशोक यादव के साथ यात्रा कर रही थी लेकिन रात के समय अचानक वह अपनी बर्थ से गायब हो गई जिससे पूरे परिवार में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 2 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है जब पिता अशोक यादव की नींद खुली तो उन्होंने पाया कि उनकी बेटी अपनी सीट पर मौजूद नहीं है सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि युवती का सूटकेस भी उसके साथ गायब था। परिजनों के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब ट्रेन कटनी, दमोह और सागर रेलवे स्टेशनों के बीच के रूट पर चल रही थी अचानक युवती और उसका सामान गायब होने से परिजन घबरा गए और उन्होंने तत्काल इसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी को दी।

सीधी कलेक्ट्रेट में अधिवक्ता का हंगामा, एसडीएम पर रिश्वत मांगने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को उस समय हंगामा मच गया जब एक अधिवक्ता बुलेट मोटरसाइकिल लेकर सीधे एसडीएम कोर्ट के बाहर तक पहुंच गया और वहां करीब आधे घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें वकील द्वारा परिसर में हंगामा करते हुए देखा जा सकता है। जानकारी के अनुसार अधिवक्ता जितेंद्र मिश्रा ने एसडीएम कार्यालय के बाहर पहुंचकर आरोप लगाया कि गोपद बनास एसडीएम कार्यालय के लिपिक राजीव साहू उनके पक्षकार के काम के लिए कथित रूप से रिश्वत की मांग कर रहे हैं। उन्होंने हाथ जोड़कर काम कराने की गुहार भी लगाई और कहा कि पक्षकार का कार्य जानबूझकर रोका जा रहा है इस दौरान अधिवक्ता ने अपनी बुलेट मोटरसाइकिल को कोर्ट परिसर के अंदर ले जाने का भी प्रयास किया जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए अधिवक्ता को हिरासत में ले लिया। एसडीएम प्रिया पाठक ने बताया कि अधिवक्ता इससे पहले भी अपने पक्षकारों के मामलों को लेकर कार्यालय आ चुके हैं लेकिन उनका यह व्यवहार नियमों के विपरीत है उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए अधिवक्ता के कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

समय-सीमा में प्रकरणों के निराकरण के कड़े निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई तय, विकास मिश्रा की समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए उन्होंने चेतावनी दी कि कार्यों में लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक नहीं बल्कि संतोषजनक और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सेवाओं को तय समय में उपलब्ध कराने तथा समय-बाह्य मामलों में जिम्मेदारी तय कर जुर्माना लगाने के निर्देश भी दिए गए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को नए शैक्षणिक सत्र में विद्यालयों की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए उन्होंने शौचालय, पेयजल, साफ-सफाई, हैंडपंप मरम्मत और बच्चों के जाति प्रमाण-पत्र अभियान को प्राथमिकता से पूरा करने को कहा साथ ही स्कूलों तक पहुंच मार्गों को बाधारहित रखने पर जोर दिया गया। कृषि विभाग को खरीफ सीजन में खाद वितरण व्यवस्था पर सख्त निगरानी रखने और सभी बिक्री ई-विकास पोर्टल के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए राजस्व विभाग को खसरा-नक्शा सुधार, भू-अर्जन और संबल योजना के सत्यापन में तेजी लाने के निर्देश मिले।

मानसून को देखते हुए बाढ़ प्रबंधन, जल स्त्रोतों की सफाई, क्लोरीनेशन और जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए भी सभी विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए स्वास्थ्य विभाग को मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने को कहा गया कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता वाली सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी और जवाबदेही के साथ होना चाहिए, ताकि आमजन को त्वरित और प्रभावी सेवाएं मिल सकें।

विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री चुनाव में रिकॉर्ड मतदान, भाजपा जिला उपाध्यक्ष ऋषभ सिंह बने साइलेंट हीरो

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना स्थित विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चुनाव में इस बार रिकॉर्ड तोड़ मतदान दर्ज किया गया है। व्यापारिक संगठन के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में व्यापारियों ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लिया जिससे चुनावी माहौल बेहद उत्साहपूर्ण और सक्रिय नजर आया। जानकारी के मतदान प्रतिशत ने पिछले सभी रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है सुबह से ही मतदान केंद्रों पर व्यापारियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं और पूरे दिन मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रही व्यापारिक वर्ग में इस चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखा गया और सभी ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

पर्दे के पीछे रणनीति का असरः इस रिकॉर्ड मतदान के पीछे भाजपा जिला उपाध्यक्ष ऋषभ सिंह 'छोटू दादा' को एक प्रमुख और साइलेंट हीरो के रूप में देखा जा रहा है सूत्रों के मुताबिक उन्होंने चुनाव से पहले और मतदान के दिन पर्दे के पीछे रहकर व्यापक रणनीति तैयार की व्यापारियों को एकजुट करने, मतदान के लिए प्रेरित करने और विभिन्न गुटों को साथ लेकर चलने में उनकी अहम भूमिका रही बताया जा रहा है कि उन्होंने बिना किसी प्रचार-प्रसार या शोर-शराबे के जमीनी स्तर पर लगातार संपर्क बनाए रखा और व्यापारिक समुदाय के बीच भरोसे का माहौल तैयार किया इसी प्रयास का परिणाम रहा कि मतदान में ऐतिहासिक बढ़ोतरी देखने को मिली।

व्यापारियों में चर्चा का केंद्र बने 'छोटू दादा': चुनाव के बाद व्यापारिक हलकों में ऋषभ सिंह 'छोटू दादा' का नाम तेजी से चर्चा में है।

चेम्बर से जुड़े कई व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने सभी गुटों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया और संगठन में एकजुटता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई व्यापारियों के अनुसार उनकी कार्यशैली शांत लेकिन प्रभावी रही जिसने मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया कई लोगों का मानना है कि उनकी रणनीति ने इस चुनाव को ऐतिहासिक बना दिया।

अभी परिणामों का इंतजारः हालांकि चुनाव के अंतिम परिणाम अभी घोषित नहीं हुए हैं लेकिन रिकॉर्ड मतदान ने यह साफ कर दिया है कि इस बार चेम्बर चुनाव में व्यापारियों की भागीदारी अभूतपूर्व रही है सभी उम्मीदवारों और समर्थकों की नजर अब अंतिम नतीजों पर टिकी हुई है जो जल्द घोषित किए जाने की संभावना है। इस ऐतिहासिक मतदान ने न केवल संगठन की सक्रियता को दर्शाया है बल्कि यह भी साबित किया है कि व्यापारिक समुदाय अपने प्रतिनिधित्व को लेकर पहले से अधिक जागरूक और सक्रिय हो चुका है।

01 जुलाई से सीधी के नए बस स्टैंड से होगा सभी यात्री बसों का संचालन, पुराने बस स्टैंड से सेवाएं पूरी तरह बंद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सड़क सुरक्षा समिति के निर्णय के अनुपालन में जिला प्रशासन ने 01 जुलाई 2026 से सीधी के पुराने बस स्टैंड से चलने वाली सभी यात्री बस सेवाओं को पूर्णतः बंद कर नवीन बस स्टैंड से संचालन करने का निर्णय लिया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब सभी रूटों की बसें केवल नए बस स्टैंड से ही संचालित होंगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य शहर में यातायात सुधार, जाम की समस्या का समाधान और सड़क सुरक्षा को मजबूत करना है पुराना बस स्टैंड शहर के घनी आबादी और व्यस्त बाजार क्षेत्र में स्थित होने के कारण लंबे समय से भीड़भाड़ और ट्रैफिक जाम का प्रमुख कारण बना हुआ था यहां लगातार यातायात दबाव के चलते दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती थी। इसी स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, ताकि नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

रूटों का नया संचालन सिस्टम तयः जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा विभिन्न मार्गों के लिए बसों के संचालन की विस्तृत व्यवस्था तय की गई है इसके अनुसार रीवा, ब्योहारी, शहडोल, जबलपुर, कटनी, सतना, मझौली, रामपुर नैकिन और चुरहट मार्ग की बसें बायपास से सीधे नवीन बस स्टैंड आएंगी और वहीं से अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगी पटपरा, मऊगंज, अमिलिया और चुरहट मार्ग की बसें नवीन बस स्टैंड से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट एवं सम्राट चौराहा होते हुए आगे जाएंगी इसी प्रकार बहरी और बैढ़न मार्ग की बसों के लिए वन-वे व्यवस्था लागू की गई है जिसके तहत बसें बायपास मार्ग से नए बस स्टैंड पहुंचेंगी और यात्रियों को लेकर कलेक्ट्रेट एवं सम्राट चौराहा होते हुए आगे बढ़ेंगी टिकरी, सरई और मड़वास मार्ग की बसें भी निर्धारित वन-वे व्यवस्था के अनुसार संचालित होंगी ये बसें बायपास से नए बस स्टैंड पहुंचेंगी और यात्रियों को लेकर कलेक्ट्रेट, अस्पताल तिराहा और गांधी चौक होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि भानू कॉम्प्लेक्स तिराहा और सम्राट चौराहा पर बसों को केवल यात्रियों के पिक-अप और ड्रॉप की अनुमति होगी इन स्थानों पर किसी भी बस को स्थायी रूप से खड़ा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

20 फीट गहरे कुएं में गिरी गाय, चार घंटे चले रेस्क्यू के बाद क्रेन से सुरक्षित बाहर निकाला गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के मड़वास थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टिकरी में रविवार शाम एक गाय अचानक करीब 20 फीट गहरे कुएं में गिर गई घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और गाय को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास शुरू कर दिए गए हालांकि शुरुआती कोशिशें सफल नहीं हो सकीं जिसके बाद सोमवार सुबह से व्यवस्थित रेस्क्यू अभियान चलाया गया। सुबह लगभग 8 बजे ग्रामीणों ने रस्सियों की मदद से गाय को बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन गहराई अधिक होने और स्थिति कठिन होने के कारण सफलता नहीं मिली इसके बाद समाजसेवी विनय मिश्रा मौके पर पहुंचे और अपने खर्च पर रेस्क्यू के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करवाई करीब 15 लोगों की टीम बनाकर बचाव कार्य को आगे बढ़ाया गया। रेस्क्यू के दौरान दो युवकों ने जान जोखिम में डालकर कुएं के अंदर उतरकर गाय को रस्सियों से बांधने का प्रयास किया लेकिन फिर भी सफलता नहीं मिली स्थिति को देखते हुए बाद में क्रेन को मौके पर बुलाया गया क्रेन की मदद से बेहद सावधानीपूर्वक चलाए गए ऑपरेशन में आखिरकार दोपहर करीब 12 बजे गाय को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया गया।

संजय टाइगर रिजर्व में दुर्लभ नजारा, मंडोला बीट में एक साथ दिखे तीन बाघ पानी में बैठकर ली गर्मी से राहत

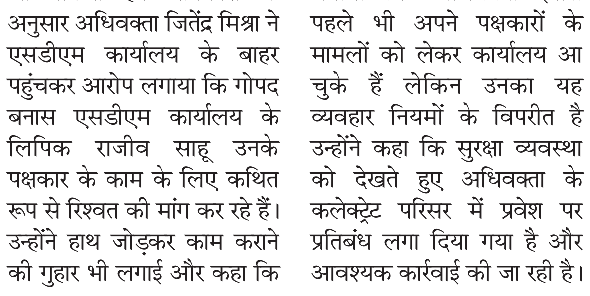

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के संजय टाइगर रिजर्व के मंडोला बीट में सोमवार सुबह सफारी के दौरान पर्यटकों और वनकर्मियों को एक बेहद दुर्लभ और रोमांचक दृश्य देखने को मिला यहां एक ही स्थान पर तीन बाघ पानी के स्त्रोत में बैठकर गर्मी से राहत लेते नजर आए उमस और बढ़ते तापमान के बीच यह दृश्य वन्यजीव प्रेमियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन गया।

जानकारी के अनुसार मानसून की दस्तक के बावजूद क्षेत्र में उमस भरी गर्मी का असर बना हुआ है जिसके कारण वन्यजीव भी लगातार जल स्त्रोतों की ओर रुख कर रहे हैं मंडोला बीट में एक साथ तीन बाघों का शांतिपूर्वक पानी में बैठा होना सामान्य स्थिति नहीं मानी जाती क्योंकि बाघ आमतौर पर अपनी अलग टेरिटरी बनाए रखते हैं और अन्य बाघों से दूरी पसंद करते हैं ऐसे में तीन बाघों का एक साथ दिखाई देना वन्यजीव व्यवहार के लिहाज से काफी दुर्लभ माना जा रहा है।

सफारी के दौरान मौजूद पर्यटकों ने इस अनोखे दृश्य को अपने कैमरों में कैद कर लिया पानी में आराम करते बाघों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं जिन्हें लोग काफी पसंद कर रहे हैं कई वन्यजीव प्रेमियों ने इसे सीजन का सबसे खास पल बताया है। सफारी गाइड आंजनेय तिवारी ने बताया कि एक साथ इतने बाघों का दिखाई देना बेहद दुर्लभ अवसर होता है उन्होंने कहा कि ऐसे दृश्य पर्यटकों की यात्रा को यादगार बना देते हैं दूर-दराज से आने वाले पर्यटक अक्सर बाघों के दर्शन की उम्मीद लेकर संजय टाइगर रिजर्व पहुंचते हैं और सोमवार को उन्हें एक असाधारण अनुभव मिला। वन विभाग के अधिकारियों ने भी इस घटना को महत्वपूर्ण बताया है संजय टाइगर रिजर्व के डीएफओ राजेश कन्ना टी ने कहा कि तीन बाघों का एक साथ दिखाई देना न केवल पर्यटकों के लिए उत्साहजनक है बल्कि यह क्षेत्र में बाघों की अच्छी मौजूदगी का संकेत भी है उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों और वीडियो के वायरल होने से आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

स्वरोजगार योजनाओं के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश, बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन ने स्वरोजगार योजनाओं के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और समयबद्ध ऋण वितरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए उन्होंने कहा कि रोजगारमूलक योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित रखना स्वीकार नहीं किया जाएगा और सभी बैंक शाखाएं निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान प्रभारी कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि स्वरोजगार योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदन पत्रों की स्वीकृति और ऋण वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी या अनावश्यक आपत्ति बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे इसके लिए गंभीरता और तत्परता के साथ कार्य किया जाए उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा की इस दौरान उन्होंने पथ विक्रेताओं को स्वनिधि योजना के तहत क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने पर जोर दिया और कहा कि यह योजना छोटे व्यापारियों के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है इसलिए इसमें तेजी लाई जाए प्रभारी कलेक्टर ने बैंक शाखा प्रबंधकों को जिले के सीडी रेशियो में सुधार लाने के भी निर्देश दिए उन्होंने विशेष रूप से कुछ बैंकों, जिनमें सेंट्रल बैंक सहित अन्य संस्थान शामिल हैं की कम उपलब्धि पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों का शीघ्र निपटारा किया जाए और लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली अपनाई जाए। बैठक में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए उन्होंने कहा कि रीवा शहर में वर्षा ऋतु के दौरान एक लाख पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है इस अभियान में सभी बैंक सक्रिय भागीदारी निभाएं और प्रत्येक बैंक कम से कम एक हजार पौधे लगाकर उनका संरक्षण सुनिश्चित करे साथ ही सभी पौधों का विवरण वायुदूत एप में अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई और उनकी प्रगति पर चर्चा हुई। अग्रणी बैंक प्रबंधक विनय जायसवाल ने जिले के ऋण-जमा अनुपात, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, कालातीत बैंक खातों की स्थिति तथा आरसेटी की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की इस अवसर पर आरबीआई के एलडीओ श्रीकांत शर्मा, नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी सरोज कुमार जैना सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी और बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे बैठक के अंत में प्रभारी कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित की योजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार के अवसर मिल सकें।

घुसपैठियों की पहचान

संपादकीय

गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का संकल्प लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठियों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने के लिए एक अभियान शुरू करने की दिशा में सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और केंद्रीय एजेंसियों के प्रमुखों की जो बैठक बुलाई, उससे यही पता चलता है कि वे इस अभियान को लेकर संकल्पबद्ध हैं। वास्तव में ऐसे किसी अभियान की गहन आवश्यकता है। ऐसा कोई अभियान तभी सफल होगा जब उसे पूरे देश में एक साथ शुरू किया जाएगा। यह अच्छी बात है कि पहली बार ऐसा होन जा रहा है।

अभी तक अलग-अलग राज्यों की पुलिस की ओर से अपने-अपने स्तर पर घुसपैठियों के खिलाफ अभियान छेड़ा जाता था। ऐसे किसी अभियान के दौरान उनकी पहचान और पकड़ भी होती थी, लेकिन घुसपैठिए ऐसा कोई अभियान शुरू होते ही पड़ोसी राज्यों में चले जाते थे। इन स्थितियों में यह आवश्यक है कि पूरे देश में घुसपैठियों के खिलाफ एक साथ अभियान चलाया जाए। देश में घुसपैठियों और विशेष रूप से बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या कितनी होगी, इसका ठीक-ठीक अनुमान लगाना कठिन है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि उनकी अच्छी-खासी संख्या है। बांग्लादेशी घुसपैठिए एवं रोहिंग्या देश के लगभग सभी हिस्सों में दिखाई देते हैं। कई शहरों में तो वे लंबे समय से रह रहे हैं और उन्होंने छल-छद्म से तरह-तरह के पहचान पत्र भी हासिल कर लिए हैं। पूर्वोत्तर और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में तो वे मतदाता भी बन गए हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ भी उठा रहे हैं।

घुसपैठ की समस्या पुरानी है, लेकिन अभी तक किसी भी केंद्रीय सत्ता ने इससे निपटने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए। इसका परिणाम यह हुआ कि घुसपैठ लगातार जारी है। यह मानने के अच्छे भले कारण हैं कि घुसपैठियों को अवैध तरीके से देश में लाने और उन्हें पहचान पत्र देकर देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाने-बसाने वाले गिरोह सक्रिय हैं। इन स्थितियों में घुसपैठियों की पहचान करने और उन्हें पकड़कर वापस भेजने के लिए एक सुनियोजित रणनीति बनानी होगी। इस रणनीति में सभी राज्य सरकारों को सक्रिय रूप से सहयोग देना होगा। घुसपैठियों के खिलाफ सख्ती इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वे केवल देश के संसाधनों पर ही बोझ नहीं बन रहे हैं, बल्कि देश के अनेक सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक ताने-बाने को भी बदल रहे हैं। कई जगह तो उनकी गतिविधियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का काम कर रही हैं।

आवश्यक केवल यह नहीं है कि घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जाए, बल्कि यह भी है कि सीमाओं पर ऐसी व्यवस्था की जाए, जिससे भविष्य में देश के किसी भी हिस्से में घुसपैठ न हो सके। इसके लिए सीमाओं को अभेद्य बनाने का जो कार्य जारी है, उसे और ठोस रूप प्रदान करना होगा।

महाराष्ट्र में टीईटी पेपर लीक के बहाने शिक्षा व्यवस्था को बदनाम करने की साजिश और सीजेपी का आंदोलन बना राजनीतिक मंच

कांतिलाल मांडोत

महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी का प्रश्नपत्र परीक्षा से लगभग चौबीस घंटे पहले लीक होने का मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार और शिक्षा विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए परीक्षा स्थगित कर दी। पुलिस ने ठाणे के भिवंडी क्षेत्र में छापेमारी कर सीलबंद प्रश्नपत्र बरामद किए और कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है तथा पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। यह कार्रवाई इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने सूचना मिलते ही मामले को दबाने के बजाय तुरंत हस्तक्षेप किया। पेपर लीक जैसी घटनाएं किसी भी राज्य और किसी भी परीक्षा प्रणाली के लिए गंभीर चुनौती होती हैं। इससे लाखों मेहनती अभ्यर्थियों की उम्मीदों को आघात पहुंचता है और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठते हैं। महाराष्ट्र टीईटी परीक्षा में चार लाख से अधिक अभ्यर्थियों को शामिल होना था। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने की थी। परीक्षा रद्द करना उम्मीदवारों के लिए असुविधाजनक अवश्य है लेकिन यदि लीक हुए प्रश्नपत्र के आधार पर परीक्षा कराई जाती तो ईमानदार छात्रों के साथ अन्याय होता। सरकार ने पुलिस को खुली छूट देकर जांच शुरू कराई है। शिक्षा विभाग और परीक्षा परिषद भी जांच एजेंसियों के साथ मिलकर पूरे नेटवर्क की पहचान करने में जुटे हैं। प्रारंभिक जांच से संकेत मिल रहे हैं कि यह संगठित गिरोह का काम हो सकता है जो परीक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाकर अवैध कमाई करना चाहता था। ऐसे तत्व केवल महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे देश की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए खतरा हैं और इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई समय की मांग है। इसी बीच दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी द्वारा शिक्षा व्यवस्था के नाम पर चलाया जा रहा आंदोलन एक अलग राजनीतिक रंग लेता दिखाई दे रहा है। पार्टी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है और देशभर के छात्रों को आंदोलन में शामिल होने का आह्वान कर रही है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन की घोषणा के साथ इस आंदोलन को और व्यापक बनाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हर परीक्षा घोटाले का समाधान केवल राजनीतिक प्रदर्शन और इस्तीफे की मांग है। टीईटी पेपर लीक की घटना महाराष्ट्र से जुड़ी है जहां राज्य सरकार और पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की है। ऐसे में केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को सीधे निशाना बनाना कई सवाल खड़े करता है। यह भी देखा जा रहा है कि कुछ संगठन हर संवेदनशील मुद्दे को राजनीतिक अवसर में बदलने का प्रयास करते हैं ताकि सरकार के खिलाफ जनमत तैयार किया जा सके। शिक्षा सुधार की मांग अपनी जगह उचित हो सकती है लेकिन यदि किसी घटना का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाए तो उसकी मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सीजेपी का आंदोलन भी इसी संदर्भ में चर्चा का विषय बन गया है। आंदोलन की भाषा और उसके राजनीतिक संदेश यह संकेत देते हैं कि उद्देश्य केवल शिक्षा सुधार नहीं बल्कि सरकार के खिलाफ व्यापक असंतोष खड़ा करना भी है। यदि वास्तव में शिक्षा व्यवस्था में सुधार ही लक्ष्य होता तो आंदोलन के साथ ठोस सुझाव और संस्थागत सुधारों का खाका भी सामने रखा जाता। केवल इस्तीफे की मांग और लगातार राजनीतिक बयानबाजी से समाधान नहीं निकलता। देश में पिछले कुछ वर्षों में कई राज्यों में अलग अलग परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारें रही हैं। इससे स्पष्ट है कि यह समस्या किसी एक सरकार या एक दल तक सीमित नहीं है बल्कि यह संगठित अपराध और भ्रष्ट तंत्र का परिणाम है। इसलिए आवश्यक है कि इस समस्या का समाधान राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप के बजाय तकनीकी सुधार कठोर कानून और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली से किया जाए।

फ़िर पेपर लीक:अंदरूनी विश्वासघात- घर का भेदी लंका ढाए

किस सनमुखदास भावनानी

युवाओं के भविष्य की चोरी या व्यवस्था की सबसे बड़ी विफ़लता व कमजोरी?

महाराष्ट्र टीईटी पेपर 2026 लीक से उठे सवाल-समग्र व्यापक विश्लेषण

लाखों अभ्यर्थियों की तैयारी, यात्रा, मानसिक तनाव और भविष्य एक झटके में अधर में लटक जाना,पूरे देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है

प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञों, मॉडरेटरों और संबंधित अधिकारियों क़ो भी केंद्रीय बजट तैयार करने वाली टीम की तरह एग्जाम होने तक पूर्ण गोपनीय वातावरण में रखने की तात्कालिक आवश्यकता

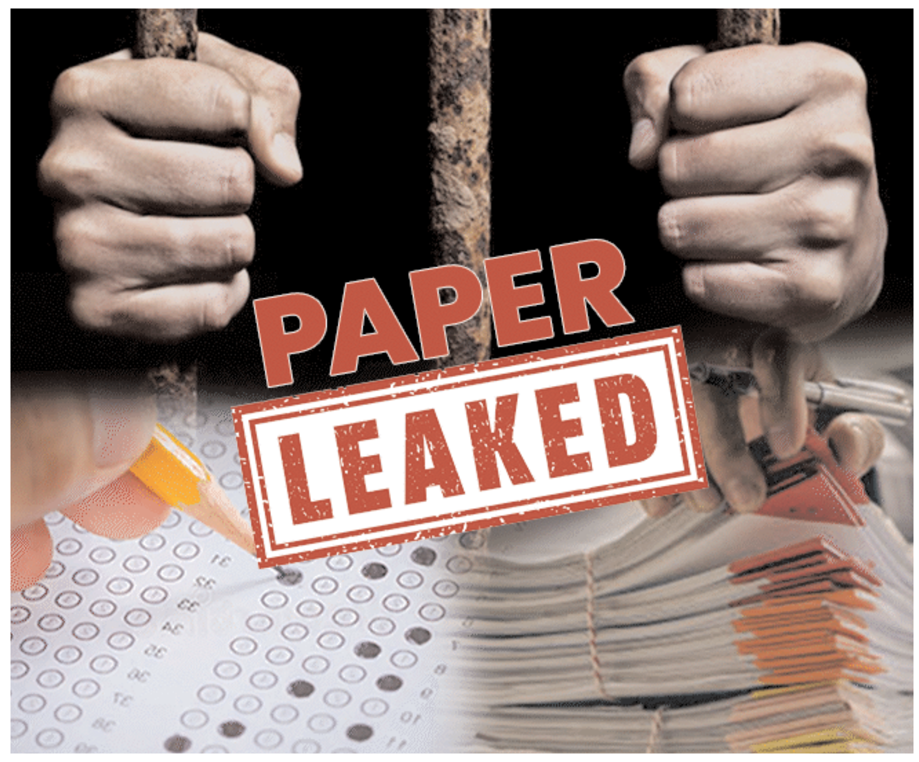

वैश्विक स्तरपर घर का भेदी लंका ढाए,यह कहावत आज भारत की परीक्षा प्रणाली पर पहले से कहीं अधिक सटीक बैठती दिखाई देती है।कभी पानी की पाइपलाइन,गैस लाइन या टैंकर लीक होने की खबरें चर्चा का विषय होती थीं,लेकिन आज लीक शब्द सुनते ही लोगों के मन में पहला प्रश्न आता है, आज किस परीक्षा का पेपर लीक हुआ? यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और ज्ञान- आधारित समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है। किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के वर्षों के परिश्रम, सपनों और भविष्य की खुली चोरी है। जब एक विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करके परीक्षा केंद्र तक पहुंचता है और अंतिम क्षणों में परीक्षा रद्द या स्थगित कर दी जाती है, तो उसका केवल समय और धन ही नहीं, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी टूटता है। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (महा टेट 2026) का परीक्षा से ठीक पहले स्थगित होना इसी गहरी बीमारी का सटीक ताजा उदाहरण है।महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा रविवार 28 जून 2026 को आयोजित थी, किंतु एक दिन पहले ठाणे के भिवंडी क्षेत्र में पुलिस द्वारा पेपर लीक रैकेट का भंडाफोड़ किए जाने के बाद सरकार को परीक्षा तत्काल स्थगित करनी पड़ी। प्रारंभिक जांच में वास्तविक प्रश्नपत्र आरोपियों के पास मिलने की पुष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह कोई अफवाह नहीं, बल्कि संगठित अपराध था।लाखों अभ्यर्थियों की तैयारी,यात्रा, मानसिक तनाव और भविष्य एक झटके में अधर में लटक गया। यह घटना केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब राष्ट्रीय स्तर पर पेपर लीक की घटनाओं के बाद परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ बनाने के दावे किए गए थे,तब फिर ऐसी घटनाएं कैसे हो रही हैं? यदि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो चुकी है,तो प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले अपराधियों तक कैसे पहुंच गया?इसका उत्तर केवल तकनीकी कमजोरी में नहीं, बल्कि व्यवस्था के भीतर मौजूद मानवीय भ्रष्टाचार और संस्थागत मिलीभगत में छिपा है। पेपर लीक की लगभग हर बड़ी घटना यह संकेत देती है कि यह केवल बाहरी अपराधियों का काम नहीं होता। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर मुद्रण, पैकेजिंग, परिवहन, सुरक्षित भंडारण और वितरण तक अनेक चरण होते हैं। इनमें किसी भी स्तर पर यदि कोई व्यक्ति धन, प्रभाव या लालच के कारण गोपनीयता तोड़ देता है, तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अधिकांश पेपर लीक बाहरी हमला नहीं, बल्कि अंदरूनी विश्वासघात होते हैं। वास्तव में घर का भेदी लंका ढाए वाली स्थिति ही इस समस्या का मूल है।

साथियों, महाराष्ट्र मामले की जांच में सामने आए तथ्यों ने भी इसी ओर संकेत किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद अंडरकवर ऑपरेशन चलाया गया। अधिकारियों ने स्वयं को पेपर खरीदने वाला ग्राहक बताकर आरोपियों से संपर्क किया और दो दिनों तक उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी। बड़ी धनराशि का लालच देकर सौदे के लिए बुलाया गया और जैसे ही प्रश्नपत्र सौंपा गया, तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में दिल्ली सहित कई राज्यों तक फैले अंतरराज्यीय नेटवर्क के संकेत मिले, जिसके बाद विशेष जांच दल ने विभिन्न राज्यों में जांच शुरू की। इससे स्पष्ट है कि पेपर लीक अब छोटे स्तर का अपराध नहीं रहा, बल्कि यह करोड़ों रुपये के संगठित आपराधिक नेटवर्क का रूप ले चुका है।आज डिजिटलतकनीक ने जहां सुविधाएं बढ़ाई हैं, वहीं अपराधियों को भी नए माध्यम उपलब्ध करा दिए हैं। व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर कुछ ही मिनटों में प्रश्नपत्र हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इसलिए केवल प्रिंटिंग प्रेस की सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। साइबर सुरक्षा, डिजिटल निगरानी और डेटा सुरक्षा को भी समान महत्व देना होगा। यदि डिजिटल चैनल सुरक्षित नहीं होंगे, तो कोई भी गोपनीय दस्तावेज सुरक्षित नहीं रह सकता।

साथियों, पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान केवल परीक्षा स्थगित होना नहीं है। इसका सबसे गंभीर प्रभाव युवाओं के मनोविज्ञान पर पड़ता है। वर्षों की मेहनत करने वाला छात्र स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। वह सोचने लगता है कि मेहनत से अधिक महत्व पैसे, पहुंच और भ्रष्ट नेटवर्क का है। यह भावना प्रतिभाशाली युवाओं में निराशा, अविश्वास और मानसिक तनाव को जन्म देती है। यदि यह स्थिति लगातार बनी रही,तोइसका प्रभाव केवल शिक्षा पर नहीं, बल्कि देश की प्रशासनिक गुणवत्ता,सामाजिक विश्वास और आर्थिक विकास पर भी पड़ेगा।भारत के लिए यह समय केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली के पुनर्गठन का है। केवल पेपर लीक होने के बाद एसआईटी बनाना और कुछ गिरफ्तारियां करना पर्याप्त समाधान नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिसमें पेपर लीक होना तकनीकी और प्रशासनिक रूप से लगभग सटीकता से असंभव हो जाए। साथियों, इस संदर्भ में विश्व के अनेक देशों ने अत्यंत प्रभावी मॉडल विकसित किए हैं, जिनसे भारत महत्वपूर्ण सीख ले सकता है। चीन की राष्ट्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा गाओकाओ को दुनिया की सबसे सुरक्षित परीक्षाओं में माना जाता है। वहां प्रश्नपत्रों को राष्ट्रीय गोपनीय दस्तावेज का दर्जा प्राप्त है। प्रश्नपत्रों की छपाई अत्यधिक सुरक्षित परिसरों में होती है और उनका परिवहन बख्तरबंद वाहनों, जीपीएस ट्रैकिंग, वीडियो निगरानी तथा सशस्त्र सुरक्षा के बीच किया जाता है। परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन, फेस रिकग्निशन, एआई कैमरे, रेडियो जैमर और इलेक्ट्रॉनिक डिटेक्शन सिस्टम का उपयोग किया जाता है। वहां पेपर लीक केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाता है।अमेरिका ने एक अलग रास्ता अपनाया है। वहां विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं में तेजी से डिजिटल प्रणाली लागू की गई है। प्रश्नपत्रों की लंबी अवधि तक भौतिक रूप में उपलब्धता समाप्त कर दी गई है। परीक्षा शुरू होने के ठीक पहले एन्क्रिप्टेड माध्यम से प्रश्न उपलब्ध कराए जाते हैं। विशेष लॉकडाउन सॉफ्टवेयर के कारण परीक्षार्थी अन्यवेबसाइट स्क्रीनशॉट या बाहरी एप्लिकेशन का उपयोग नहीं कर सकता।इससे पारंपरिक पेपर लीक की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है।ऑस्ट्रेलिया ने भी ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली को वैज्ञानिक तरीके से विकसित किया है। वहां लॉकडाउन ब्राउज़र, प्रश्नों का अलग-अलग क्रम, एआई आधारित निगरानी तथा अधिकृत अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही सुनिश्चित की गई है। यदि कोई अधिकारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई होती है।दक्षिण कोरिया का मॉडल विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वहां राष्ट्रीय परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार करने वाले शिक्षकों और विशेषज्ञों को परीक्षा समाप्त होने तक बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग रखा जाता है। उनके मोबाइल, इंटरनेट और बाहरी संपर्क बंद कर दिए जाते हैं। यह व्यवस्था कठोर अवश्य है, किंतु प्रश्नपत्र की गोपनीयता सुनिश्चित करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई है। साथियों, यहीं पर भारत के लिए एक व्यावहारिक सुझाव भी सामने आता है। जिस प्रकार केंद्रीय बजट तैयार करने वाली टीम को बजट प्रस्तुत होने तक पूर्ण गोपनीय वातावरण में रखा जाता है, उसी प्रकार प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञों, मॉडरेटरों और संबंधित अधिकारियों के लिए भी सीमित अवधि का नियंत्रित एवं सुरक्षित वातावरण बनाया जा सकता है।यह व्यवस्था केवल उच्च जोखिम वाली राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षाओं के लिए लागू की जा सकती है। इससे प्रश्नपत्र निर्माण के दौरान बाहरी संपर्क और संभावित लीक की संभावना काफी कम हो सकती है। हालांकि केवल मानव नियंत्रण पर्याप्त नहीं होगा। अब समय आ गया है कि प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा केंद्र तक प्रत्येक चरण का पूर्ण डिजिटलीकरण किया जाए। ब्लॉकचेन जैसी तकनीक दस्तावेजों की सुरक्षा और प्रत्येक गतिविधि का अपरिवर्तनीय रिकॉर्ड रखने में सहायक हो सकती है। यदि प्रत्येक एक्सेस, डाउनलोड, प्रिंट और ट्रांसफर का डिजिटल लॉग सुरक्षित रहेगा, तो किसी भी स्तर पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा।

साथियों, इसके साथ ही परीक्षा प्रक्रिया में जीरो ट्रस्ट सिक्योरिटी मॉडल अपनाने की आवश्यकता है।अर्थात कोई भी व्यक्ति केवल पद के आधार पर पूर्ण विश्वास का पात्र न माना जाए।प्रत्येक चरण में बहुस्तरीय प्रमाणीकरण डिजिटल ऑडिट और स्वतंत्र निगरानी अनिवार्य होनी चाहिए। संवेदनशील कार्यों में एकल व्यक्ति के बजाय बहु-अधिकारी प्रणाली अपनाई जानी चाहिए ताकि कोई अकेला व्यक्ति पूरीद्द प्रक्रिया से समझौता न कर सके।कानूनी स्तर पर भी व्यापक सुधार आवश्यक हैं। वर्तमान व्यवस्था में कई मामलों में जांच लंबी चलती है और दोषियों को वर्षों तक सजा नहीं मिलती। इससे अपराधियों में भय पूरी तरह से समाप्त हो जाता है।

साथियों, पेपर लीक को केवल सामान्य आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य और राष्ट्रीय संसाधनों के विरुद्ध संगठित आर्थिक अपराध के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए विशेष कानून, अनिवार्य संपत्ति जब्ती आजीवन परीक्षा प्रतिबंध, सरकारी सेवा से स्थायी निष्कासन और फास्ट-ट्रैक न्यायालयों में समयबद्ध सुनवाई जैसी व्यवस्थाएं लागू की जानी चाहिए।परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही भी स्पष्ट होनी चाहिए।यदिकिसी एजेंसी की लापरवाही सिद्ध होती है,तो केवल निचलेस्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों की भी व्यक्तिगत जवाबदेही तय करनी होगी।जब तक जवाबदेही ऊपर तक नहीं पहुंचेगी, तब तक सुधार केवल कागजों तक सीमित रहेगा।

साथियों, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि देश को अपने युवाओं का विश्वास वापस जीतना होगा।प्रत्येक पेपर लीक केवल एक परीक्षा रद्द नहीं करता, बल्कि यह संदेश देता है कि व्यवस्था अभी भी ईमानदार प्रतिभा की पूरी तरह रक्षा नहीं कर पा रही है। यदि यह विश्वास टूट गया, तो इसका प्रभाव आने वाले दशकों तक सटीकता से दिखाई देगा।आज आवश्यकता केवल नई घोषणाओं की नहीं, बल्कि कठोर क्रियान्वयन की है। भारत के पास तकनीक भी है, प्रशासनिक क्षमता भी और वैश्विक उदाहरण भी। अब आवश्यकता राजनीतिक इच्छाशक्ति,संस्थागत ईमानदारी और शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने की है। यदि प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परिणाम घोषित होने तक प्रत्येक चरण को वैज्ञानिक, पारदर्शी, डिजिटल और जवाबदेह बनाया जाए, तो पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि यह समझना होगा कि परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का चयन तंत्र है। यदि यही व्यवस्था भ्रष्ट हो जाएगी, तो प्रशासन, शिक्षा, न्याय और विकास की पूरी नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए पेपर लीक के विरुद्ध संघर्ष केवल परीक्षा बचाने का अभियान नहीं, बल्कि युवा प्रतिभा, सामाजिक न्याय और भारत के भविष्य की रक्षा का राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए। तभी प्रत्येक विद्यार्थी यह विश्वास कर सकेगा कि उसकी सफलता का आधार केवल उसकी मेहनत होगी, किसी लीक हुए प्रश्नपत्र या भ्रष्ट नेटवर्क का प्रभाव नहीं।

अपराधियों की अब खैर नहीं!

बिहार के मुंगेर के टेटिया बंबर में आयोजित जनसभा में बिहार के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री सम्राट चौधरी का भाषण केवल एक राजनीतिक संबोधन नहीं था, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की मंशा का सार्वजनिक उद्घोष भी था। समस्तीपुर, नवादा और दरभंगा की हालिया हिंसक घटनाओं के बाद विपक्ष लगातार सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहा था। ऐसे समय मुख्यमंत्री का यह कहना कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई रुकने वाली नहीं है और जो अपराधी हैं, उन्हें नेपाल जाना होगा स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार किसी भी प्रकार से नरमी का संदेश नहीं देना चाहती। सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से पूछा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहनी चाहिए या नहीं। भीड़ से एक स्वर में समर्थन मिला।

लोकतांत्रिक राजनीति में जनसमर्थन प्राप्त करना एक बात है, लेकिन अपराध नियंत्रण की वास्तविक कसौटी पुलिस की निष्पक्षता, न्यायिक प्रक्रिया की मजबूती और अपराध के आंकड़ों में सुधार से तय होती है। मुख्यमंत्री ने अपराधियों और दंगाइयों की तुलना घर के कचरे से करते हुए कहा कि बिहार से इस कचरे को हटाने का अभियान लगातार जारी रहेगा। यह भाषा निश्चित रूप से राजनीतिक दृष्टि से प्रभावशाली है और आम जनता में सरकार की दृढ़ छवि प्रस्तुत करती है। किंतु लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में यह भी उतना ही आवश्यक है कि अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई कानून के दायरे में और संवैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप हो। सम्राट चौधरी के अप्रैल 2026 में मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्य सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति को प्रमुखता से सामने रखा है। पुलिस द्वारा कई जिलों में मुठभेड़ों, अवैध हथियारों की बरामदगी तथा संगठित अपराध के विरुद्ध विशेष अभियान चलाए गए हैं। सरकार का दावा है कि इन कार्रवाइयों से अपराधियों में भय का वातावरण बना है। दूसरी ओर विपक्ष और मानवाधिकार से जुड़े कुछ वर्ग यह प्रश्न भी उठाते हैं कि अपराध नियंत्रण केवल मुठभेड़ों से नहीं, बल्कि मजबूत जांच, त्वरित न्याय और दोषसिद्धि की उच्च दर से संभव होगा। बिहार में अपराध की समस्या बहुआयामी है। हत्या, अपहरण, रंगदारी और अवैध हथियारों की तस्करी जैसी पारंपरिक चुनौतियों के साथ-साथ साइबर अपराध, आर्थिक धोखाधड़ी और किशोर अपराध तेजी से उभरकर सामने आए हैं। विशेष रूप से मुंगेर लंबे समय से अवैध हथियार निर्माण और तस्करी के लिए चर्चित रहा है। यद्यपि पुलिस समय-समय पर बड़ी कार्रवाई करती रही है, फिर भी हथियारों का अवैध नेटवर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका है। शराबबंदी लागू होने के बाद एक नई चुनौती अवैध शराब के कारोबार के रूप में सामने आई। कई मामलों में यह देखा गया कि शराब माफिया किशोरों और कम उम्र के बच्चों का उपयोग तस्करी तथा वितरण के लिए करते हैं। इससे किशोर अपराध की समस्या और गंभीर हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया-2024 रिपोर्ट ने इस चिंता को और गहरा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में किशोर अपराधियों की संख्या के मामले में बिहार शीर्ष राज्यों में शामिल है। जुवेनाइल क्राइम अर्थात 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा किए गए अपराधों में राष्ट्रीय स्तर पर वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि बिहार में यह समस्या अपेक्षाकृत अधिक गंभीर दिखाई देती है। यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा, परिवार, सामाजिक वातावरण, बेरोजगारी और नशे जैसी अनेक सामाजिक चुनौतियों से जुड़ा प्रश्न भी है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार बिहार में जघन्य अपराधों के दर्ज मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2023 में हत्या, बलात्कार और डकैती जैसे गंभीर अपराधों के 52 हजार से अधिक मामले दर्ज हुए, जबकि 2024 में इनकी संख्या एक लाख से अधिक बताई गई। हालांकि इसी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि प्रति एक लाख आबादी पर अपराध दर के मामले में बिहार राष्ट्रीय औसत से नीचे है। इसका अर्थ यह है कि राज्य की बड़ी आबादी के कारण कुल अपराध संख्या अधिक दिखाई देती है, जबकि प्रति व्यक्ति अपराध दर अपेक्षाकृत कम है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का मूल्यांकन केवल कुल संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि अपराध दर, अपराध की प्रकृति और दोषसिद्धि दर जैसे मानकों के साथ किया जाना चाहिए।

राजनीतिक दृष्टि से मुख्यमंत्री का कड़ा संदेश सरकार के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। आम नागरिक स्वाभाविक रूप से सुरक्षित वातावरण चाहते हैं और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का समर्थन करते हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था चुनावी मुद्दा भी बनती रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री का यह संदेश सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति को प्रदर्शित करता है।

हालांकि किसी भी सरकार की सफलता केवल कठोर बयानों से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से मापी जाती है। यदि अपराध की घटनाओं में वास्तविक कमी आती है, पुलिस जांच अधिक प्रभावी होती है, अदालतों में शीघ्र सुनवाई होती है और आम नागरिक स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी इस नीति को सफल कहा जा सकेगा।

विपक्ष का आरोप है कि सरकार अपराध की वास्तविक स्थिति को लेकर अत्यधिक आशावादी तस्वीर प्रस्तुत कर रही है, जबकि कई जिलों में हत्या, लूट, दुष्कर्म और सांप्रदायिक तनाव की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। सरकार का पक्ष है कि अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चल रहे हैं और किसी भी अपराधी को राजनीतिक संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

स्पष्ट है कि बिहार इस समय कानून-व्यवस्था के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। एक ओर सरकार अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की नीति अपना रही है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक अपराधों की बदलती प्रकृति नई रणनीति की मांग करती है। केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। शिक्षा, रोजगार, तकनीकी निगरानी, न्यायिक सुधार, साइबर सुरक्षा, नशामुक्ति अभियान और युवाओं के पुनर्वास जैसी नीतियों को समानांतर रूप से मजबूत करना होगा। अंततः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की टेटिया बंबर की हुंकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार अपराध के प्रश्न पर पीछे हटने के मूड में नहीं है। अब सबसे बड़ी चुनौती इस राजनीतिक संकल्प को प्रशासनिक उपलब्धि में बदलने की होगी। यदि कठोर कार्रवाई के साथ कानून का राज, पारदर्शिता और न्यायिक प्रक्रिया समान रूप से मजबूत होती है, तो बिहार अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में एक नई दिशा की ओर बढ़ सकता है। वहीं यदि यह अभियान केवल राजनीतिक नारों तक सीमित रह गया, तो जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना कठिन होगा। कानून का वास्तविक राज तभी स्थापित होगा जब अपराधी भयभीत हों और आम नागरिक स्वयं को निर्भय एवं सुरक्षित महसूस करें।

खनिज निरीक्षक पर मारपीट और मोबाइल छीनने के आरोप, लोधी युवा शक्ति संगठन ने सौंपा ज्ञापन

सात दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की पिछोर तहसील में खनिज विभाग की कार्रवाई के दौरान कथित मारपीट और अभद्र व्यवहार का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को लोधी युवा शक्ति संगठन ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर खनिज निरीक्षक ऋषभ सिंह दीक्षित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की संगठन ने निरीक्षक को तत्काल निलंबित करने, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

19 जून की कार्रवाई को लेकर विवाद: संगठन के अनुसार यह मामला 19 जून का है जब पिछोर क्षेत्र में पत्थरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही थी उस दौरान मौके पर मौजूद कई लोग अपने मोबाइल फोन से कार्रवाई का वीडियो बना रहे थे संगठन का दावा है कि मंगल लोधी भी घटनास्थल पर मौजूद थे और मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे।

आरोप है कि इसी दौरान खनिज निरीक्षक ऋषभ सिंह दीक्षित ने मंगल लोधी का मोबाइल छीन लिया जब उन्होंने अपना मोबाइल वापस मांगा तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया संगठन का आरोप है कि निरीक्षक ने उन्हें थप्पड़ मारा, धक्का-मुक्की की और उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

वीडियो होने का दावा, फिर भी कार्रवाई नहीं: लोधी युवा शक्ति संगठन के सदस्य कपूर लोधी का कहना है कि पूरे घटनाक्रम का वीडियो उपलब्ध है उनका आरोप है कि वीडियो साक्ष्य होने के बावजूद खनिज निरीक्षक के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके विपरीत, मंगल लोधी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया संगठन का कहना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक पक्षीय कार्रवाई कर पीड़ित को ही आरोपी बना दिया गया।

112 डायल वाहन के उपयोग की भी जांच की मांग: ज्ञापन में संगठन ने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं उन्होंने 112 डायल वाहन के उपयोग की वैधानिकता की जांच कराने की मांग की है संगठन का कहना है कि यह स्पष्ट किया जाए कि उक्त वाहन का उपयोग किस आदेश और किस कानूनी प्रक्रिया के तहत किया गया यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

निष्पक्ष अधिकारी से जांच कराने की मांग: जिला पंचायत सदस्य सियाराम लोधी ने मांग की कि पूरे प्रकरण की जांच किसी वरिष्ठ एवं निष्पक्ष अधिकारी से कराई जाए उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने तक खनिज निरीक्षक ऋषभ सिंह दीक्षित को निलंबित किया जाना चाहिए ताकि जांच प्रभावित न हो। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जांच में निरीक्षक पर लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए वहीं यदि मंगल लोधी के खिलाफ दर्ज मामला जांच में निराधार साबित होता है तो उसे तत्काल निरस्त किया जाए। लोधी युवा शक्ति संगठन ने प्रशासन को सात दिनों का समय दिया है संगठन का कहना है कि यदि निर्धारित अवधि में उचित कार्रवाई नहीं होती है तो वे लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करेंगे।

नर्मदापुरम में भगवान जगन्नाथ 15 दिन रहेंगे 'अनवसर' में, नहीं लगेगा 56 भोग, जड़ी-बूटियों से होगा उपचार

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर नर्मदापुरम के प्राचीन जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का पारंपरिक विधि-विधान के साथ भव्य महास्नान उत्सव संपन्न हुआ इस अवसर पर भगवान का 108 कलशों से अभिषेक किया गया अभिषेक के लिए 51 किलो दूध, दही, पंचामृत, नर्मदा जल, गंगाजल, शहद एवं विभिन्न पूजन सामग्रियों का उपयोग किया गया महास्नान के बाद मंदिर परिसर में विशेष आरती एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर के महंत ने बताया कि सनातन परंपरा के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा पर महास्नान के बाद भगवान जगन्नाथ अस्वस्थ हो जाते हैं इसे 'अनवसर' (अनासार) काल कहा जाता है धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दौरान भगवान 15 दिनों तक विश्राम करते हैं और उनका औषधीय उपचार किया जाता है इसलिए मंदिर के गर्भगृह के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। महंत ने बताया कि इस विश्राम अवधि में भगवान को प्रतिदिन लगाए जाने वाले 56 प्रकार के भोग अर्पित नहीं किए जाएंगे इसके स्थान पर उन्हें फलों का रस, जड़ी-बूटियों से तैयार काढ़ा तथा आयुर्वेदिक औषधियां अर्पित की जाएंगी यह परंपरा भगवान के स्वास्थ्य लाभ का प्रतीक मानी जाती है और सदियों से चली आ रही धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप निभाई जाती है।

भगवान के विश्राम काल के दौरान उनके सिंहासन पर चांदी का दिव्य मुकुट विराजमान रहेगा।श्रद्धालु उसी मुकुट के दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे। मंदिर में प्रतिदिन भजन-कीर्तन, संकीर्तन और विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनमें भगवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की जाएगी महंत ने बताया कि आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर भगवान जगन्नाथ स्वस्थ होकर पुनः भक्तों को दर्शन देंगे। इसके बाद भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथयात्रा पर निकलेंगे धार्मिक मान्यता है कि रथयात्रा के दौरान भगवान अपने भक्तों के बीच जाकर उनकी कुशल-क्षेम जानने के साथ लोककल्याण का संदेश देते हैं महास्नान और अनवसर की यह परंपरा भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा का महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान मानी जाती है। इस अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

1 जुलाई से तीन महीने के लिए बंद होगा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का कोर क्षेत्र, 500 से अधिक वनकर्मी संभालेंगे सुरक्षा की कमान

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मानसून सीजन को देखते हुए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के मढ़ई और चूरना स्थित कोर क्षेत्र को 1 जुलाई से 30 सितंबर तक पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाएगा 30 जून की शाम इस सीजन की अंतिम जंगल सफारी होगी जिसके बाद तीन महीने तक कोर क्षेत्र में पर्यटकों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वन विभाग ने इस दौरान वन्यजीवों की सुरक्षा और निगरानी के लिए विशेष रणनीति तैयार की है 1 अक्टूबर से मौसम सामान्य होने पर कोर क्षेत्र को फिर से पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। हर वर्ष बारिश के मौसम में सुरक्षा कारणों और वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का कोर क्षेत्र बंद किया जाता है लगातार बारिश के कारण जंगल के रास्ते फिसलन भरे और जोखिमपूर्ण हो जाते हैं वहीं यह समय वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और प्रजनन गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता इसलिए तीन महीने तक जंगल सफारी पूरी तरह बंद रहेगी।

एसटीआर प्रबंधन के अनुसार मानसून के दौरान 500 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी रिजर्व के विभिन्न हिस्सों में विशेष गश्त करेंगे। सभी बीटों में पैदल पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी तथा जिन क्षेत्रों में बाघों की गतिविधियां अधिक रहती हैं वहां अतिरिक्त निगरानी रखी जाएगी वन विभाग ने संवेदनशील इलाकों के लिए अलग-अलग गश्ती दल भी गठित किए हैं। बारिश के कारण जिन क्षेत्रों में जलभराव या डूब क्षेत्र की स्थिति बनती है वहां वन विभाग की टीमें नाव के माध्यम से गश्त करेंगी इसके अलावा जंगल के दुर्गम हिस्सों तक पहुंचने के लिए प्रशिक्षित हाथियों की मदद से नियमित पेट्रोलिंग की जाएगी ताकि शिकारी गतिविधियों या अन्य किसी भी खतरे पर तत्काल कार्रवाई की जा सके सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की क्षेत्र संचालक राखी नंदा ने बताया कि आवश्यकता वाले संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे।

पार्षद के घर 25 लाख की चोरी का खुलासा, रेकी कर वारदात को दिया अंजाम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के पोहरी कस्बे में पार्षद नीतू शर्मा के घर हुई करीब 25 लाख रुपए की चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 23 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण, 85 हजार रुपए नकद चोरी में प्रयुक्त पल्सर बाइक और लोहे की तिजोरी बरामद कर ली है। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने बताया कि 24 जून की रात बदमाशों ने कृष्णगंज स्थित पार्षद नीतू शर्मा के घर का ताला तोड़कर लगभग 25 लाख रुपए का सामान चोरी कर लिया था आरोपी करीब तीन क्विंटल वजनी लोहे की तिजोरी भी अपने साथ ले गए थे जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आईटीआई कॉलेज के पीछे से रामनिवास मोगिया, श्रीवल्लभ उर्फ रनघोर पारदी और रामेश्वर गोस्वामी को गिरफ्तार किया श्रीवल्लभ के पास से एक अवैध देशी बंदूक भी बरामद हुई। पूछताछ में सामने आया कि वारदात का मास्टरमाइंड राजू है आरोपी रामेश्वर गोस्वामी का पार्षद के घर आना-जाना था जिसके चलते उसने घर की रेकी कर तिजोरी की स्थिति और परिवार की गतिविधियों की जानकारी गिरोह को दी।

दो महीने से सैलरी नहीं मिलने पर पंप ऑपरेटरों का फूटा गुस्सा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी नगर पालिका परिषद के करीब 250 पंप ऑपरेटरों ने दो माह से वेतन नहीं मिलने के विरोध में सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधीश के नाम ज्ञापन सौंपा कर्मचारियों ने समय पर वेतन भुगतान, अधिकारियों द्वारा कथित रूप से दी जा रही धमकियों पर रोक लगाने और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की कर्मचारियों ने कहा कि यदि नगर पालिका उन्हें समय पर वेतन देने में सक्षम नहीं है तो उन्हें कलेक्ट्रेट परिसर में भीख मांगने की अनुमति दी जाए ताकि वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि वे नगर पालिका के सभी 39 वार्डों में नियमित पेयजल आपूर्ति बनाए रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं इसके अलावा उनसे जलापूर्ति व्यवस्था के साथ-साथ बिल सेक्शन में राजस्व वसूली, बोरवेल की मरम्मत, मोटर एवं पाइपलाइन का रखरखाव, मलेरिया विभाग सहित कई अन्य विभागीय कार्य भी कराए जाते हैं बावजूद इसके उन्हें पिछले दो महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है जिससे उनके सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। कर्मचारियों का कहना है कि लगातार वेतन नहीं मिलने के कारण घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है बच्चों की पढ़ाई, राशन, बिजली बिल और अन्य आवश्यक खर्च पूरे करना कठिन हो रहा है उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी वे अपने उपयंत्री या प्रभारी अधिकारियों से वेतन भुगतान की मांग करते हैं तो उन्हें नौकरी से हटाने और सेवा समाप्त करने की धमकी दी जाती है इससे सभी कर्मचारी मानसिक तनाव और असुरक्षा की स्थिति में काम करने को मजबूर हैं। पंप अटेंडर बुंदेला ने बताया कि नगर पालिका के लगभग 250 पंप अटेंडर दो महीने से वेतन का इंतजार कर रहे हैं उन्होंने कहा कि कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेदारियों में कभी लापरवाही नहीं बरती गर्मी के मौसम में भी उन्होंने शहरवासियों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर मेहनताना नहीं मिल रहा है उन्होंने कहा कि नगर पालिका प्रशासन कर्मचारियों से अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी निभवा रहा है लेकिन वेतन भुगतान में लगातार देरी हो रही है इससे कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है ।

पहले पानी-बिजली दिलाओ, फिर वोट मिलेगा, ग्रामीण महिलाओं ने रोकी विधायक प्रीतम लोधी की गाड़ी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में ग्रामीण महिलाएं विधायक की गाड़ी रोककर गांव में बिजली और पानी की गंभीर समस्या की शिकायत करती नजर आ रही हैं महिलाएं साफ शब्दों में कहती हैं कि जब तक गांव में पानी और बिजली की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक वोट मांगने का कोई मतलब नहीं है इस दौरान विधायक और ग्रामीणों के बीच हुई बातचीत का वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार यह घटना शनिवार की है जबकि इसका वीडियो सोमवार को सामने आया हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि घटना किस गांव की है बताया जा रहा है कि विधायक प्रीतम लोधी अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर कार्यकर्ताओं के साथ निकले थे। इसी दौरान ग्रामीणों ने उनकी गाड़ी रुकवाकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

महिलाओं ने सुनाई गांव की परेशानी: वीडियो में एक महिला विधायक से कहती है कि गांव में न तो बिजली है और न ही पानी की पर्याप्त व्यवस्था। उसने कहा, न लाइट है न पानी... प्यासन मरे जात हैं। वहीं दूसरी महिला ने बताया कि गांव का ट्रांसफॉर्मर पिछले दो महीनों से खराब पड़ा है जिसके कारण पूरा गांव अंधेरे में रहने को मजबूर है उन्होंने कहा कि बिजली नहीं होने से रात में मच्छरों के कारण सोना भी मुश्किल हो गया है महिलाओं ने विधायक से कहा कि पहले गांव की मूलभूत समस्याओं का समाधान कराया जाए उसके बाद ही वोट की बात की जाए। इस दौरान विधायक ने मुस्कुराते हुए महिलाओं से पूछा फिर कौन को दोगे वोट, मुझे नहीं दोगे तो इस पर महिलाओं ने जवाब दिया तुम्हीं को देंगे लेकिन हमारी लाइट-पानी की व्यवस्था करा दो।

पानी की शिकायत पर बढ़ाई पानी की बोतल: बातचीत के दौरान विधायक की नजर एक महिला की गोद में मौजूद बच्ची पर पड़ी उन्होंने बच्ची की ओर इशारा करते हुए कहा यह हमारी लाडली है। इस पर महिला ने भावुक अंदाज में जवाब दिया लाडली प्यासी मरी जात है। महिला की बात सुनने के बाद विधायक ने अपनी कार से पानी की एक बोतल निकालकर महिलाओं की ओर बढ़ा दी और कहा ये लो पानी। इस पर महिलाओं ने कहा कि एक बोतल पानी से क्या होगा पूरे गांव में पानी की समस्या है। यह दृश्य वीडियो में साफ दिखाई देता है और सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। मौके पर मौजूद एक ग्रामीण ने विधायक को बताया कि गांव का ट्रांसफॉर्मर करीब दो महीने से खराब पड़ा है इसके कारण पूरे गांव की बिजली व्यवस्था ठप है और लोग भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं ग्रामीणों ने जल्द से जल्द ट्रांसफॉर्मर बदलने और नियमित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की ग्रामीणों की शिकायत सुनने के बाद विधायक प्रीतम लोधी ने संबंधित अधिकारियों से बात कर समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर सांडिया में उमड़ा आस्था का सैलाब, 20 हजार श्रद्धालुओं ने नर्मदा में लगाई पुण्य डुबकी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर नर्मदापुरम जिले के पिपरिया से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित सांडिया के मां नर्मदा तट पर विशाल धार्मिक मेले का आयोजन हुआ मेले में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजन-अर्चन किया और दान-पुण्य कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की पूरे दिन घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और धार्मिक माहौल बना रहा।

सोमवार सुबह से ही सांडिया के शिवनी पुलघाट, सीताराम घाट और बाजार घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया कई श्रद्धालु अपने परिवार के साथ पहुंचे जबकि बड़ी संख्या में लोग पिपरिया और आसपास के गांवों से देर रात ही पैदल यात्रा कर सांडिया पहुंचे स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाटों पर स्थित मंदिरों में भगवान के दर्शन किए और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। धर्माचार्य पंडित शिवराज राजोरिया ने बताया कि इस वर्ष ज्येष्ठ पूर्णिमा पर सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का विशेष संयोग बना था धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान श्रीहरि विष्णु और भगवान सत्यनारायण की पूजा-अर्चना करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है इसके साथ ही पवित्र नदियों में स्नान तथा जरूरतमंदों को दान देने का भी विशेष महत्व बताया गया है इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस अवसर पर नर्मदा तट पहुंचे। सांडिया पुलिस चौकी प्रभारी किशन उइके ने बताया कि दोपहर तक लगभग 20 हजार श्रद्धालु मां नर्मदा में पवित्र स्नान कर चुके थे श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए थे खेतों और सड़क किनारे अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था की गई जिससे यातायात सुचारु बना रहा ग्राम पंचायत सांडिया तथा शिवनी के कर्मचारियों ने घाटों पर साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल, होमगार्ड के जवान और प्रशिक्षित गोताखोर पूरे समय घाटों पर तैनात रहे पुलिसकर्मियों ने लगातार गश्त कर भीड़ को नियंत्रित किया जबकि गोताखोरों ने स्नान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर रखी ।

चिरमिरी जिला अस्पताल में 5 बिस्तरीय डायलिसिस यूनिट और 30 बिस्तरीय वार्ड का शुभारंभ, स्वास्थ्य मंत्री बोले- अब जिले में ही मिलेगा बेहतर इलाज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने शनिवार को चिरमिरी स्थित जिला चिकित्सालय में नवस्थापित 5 बिस्तरीय डायलिसिस यूनिट और 30 बिस्तरीय नए वार्ड का लोकार्पण किया इस नई सुविधा के शुरू होने से जिले के किडनी रोगियों और अन्य मरीजों को आधुनिक उपचार की बेहतर सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी लोकार्पण समारोह में जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, चिकित्सकों, अस्पताल कर्मचारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया और नई स्वास्थ्य सेवाओं का शुभारंभ करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।

नई डायलिसिस यूनिट शुरू होने से एमसीबी जिले के किडनी रोगियों को अब उपचार के लिए अंबिकापुर, बिलासपुर, रायपुर या अन्य बड़े शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पांच बिस्तरों वाली इस यूनिट में प्रतिदिन कई मरीजों का डायलिसिस किया जा सकेगा इससे जिले के सैकड़ों मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा अब तक डायलिसिस के लिए मरीजों और उनके परिजनों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त लागत आती थी स्थानीय स्तर पर यह सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों को समय पर उपचार मिलेगा और आर्थिक बोझ भी कम होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है दउन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जिला अस्पतालों को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित कर रही है ताकि मरीजों को अपने ही जिले में बेहतर इलाज मिल सके और उन्हें बड़े शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि चिरमिरी जिला चिकित्सालय में जल्द ही सीटी स्कैन मशीन, अटल टेस्ट लैब और विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं भी शुरू की जाएंगी इन सुविधाओं के शुरू होने से मरीजों को जांच और उपचार के लिए अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं साथ ही अस्पताल में साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने को कहा।

जिला चिकित्सालय में 30 बिस्तरीय नए वार्ड के शुरू होने से अस्पताल की भर्ती क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी इससे गंभीर और सामान्य दोनों प्रकार के मरीजों को बेहतर इलाज और पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

सागर में मानसून का इंतजार, दिन का पारा 36 डिग्री

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले में मानसून का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। बारिश नहीं होने के कारण जिले के कई हिस्सों में खेती का काम प्रभावित हो रहा है और आधे जिले में बोनी का काम रुक गया है। प्री-मानसून गतिविधियों के बीच मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। कभी तेज धूप निकल रही है तो कभी आसमान में घने काले बादल छा रहे हैं, लेकिन बारिश नहीं हो रही है। इसके चलते दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है और उमसभरी गर्मी से लोग परेशान हैं।

सुबह से बादलों की आवाजाही जारी: सोमवार सुबह से ही सागर में आसमान पर निम्न परत के बादलों की आवाजाही बनी हुई है। बादलों के बीच सूरज की लुका-छिपी चल रही है। मौसम में नमी होने के बावजूद बारिश नहीं होने से गर्मी और उमस का असर बना हुआ है। फिलहाल सागर का अधिकतम तापमान करीब 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान करीब 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है।

15 दिन लेट हुआ मानसून, अब तक 2.6 इंच हुई औसत बारिश

अगले 48 घंटे में मानसून पहुंचने की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश में मानसून की दस्तक के बाद इसकी रफ्तार धीमी हो गई है। मानसून एक ही स्थान पर ठहर गया है। संभावना जताई जा रही है कि अगले 48 घंटों में सागर संभाग में मानसून पहुंच सकता है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

● अब तक हुई 2.6 इंच बारिश

भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, जिले में 1 जून से अब तक कुल 64.9 मिलीमीटर यानी करीब 2.6 इंच औसत बारिश दर्ज की गई है। जबकि पिछले साल इसी अवधि में 155.1 मिलीमीटर यानी करीब 6.1 इंच बारिश हो चुकी थी। इस बार पिछले साल की तुलना में अब तक करीब 58.13 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

● कुछ क्षेत्रों में हुई बारिश

पिछले 24 घंटों में जिले के कुछ क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई है। बीना में करीब पौन इंच और खुरई में एक इंच से ज्यादा बारिश हुई है। इसके अलावा देवरी, केसली और शाहगढ़ क्षेत्र में भी हल्की बौछारें दर्ज की गईं। मौसम विभाग के मुताबिक, 24 जून को प्रदेश में मानसून ने प्रवेश किया था और करीब 15 जिलों तक पहुंच चुका है लेकिन इसके बाद मानसून आगे नहीं बढ़ पाया। इसका असर खेती पर भी पड़ रहा है। बारिश नहीं होने के कारण जिले के कई क्षेत्रों में किसान बोनी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि कुछ स्थानों पर किसानों ने बोनी का काम शुरू कर दिया है, लेकिन पर्याप्त बारिश का इंतजार बना हुआ है।

● गर्मी और उमस से बढ़ी परेशानी

मानसून की देरी के कारण सागर सहित कई क्षेत्रों में गर्मी का असर बढ़ गया है। दिन के साथ रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। उमस भरे मौसम के कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सीहोर जिला अस्पताल में 2 महिलाओं के बीच मारपीट, परिसर में चले लाठी-डंडे गार्ड नदारद रहे, घटना का वीडियो सामने आया

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के जिला अस्पताल परिसर में दो महिलाओं के बीच मारपीट हुई है। दोनों महिलाओं ने एक-दूसरे के बाल पकड़े और डंडे से हमला किया। घटना के दौरान अस्पताल का कोई भी सुरक्षाकर्मी या स्टाफ वहां मौजूद नहीं था। अब इस पूरी मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो अस्पताल के मुख्य हिस्से का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक महिला ने नीचे गिरी दूसरी महिला पर लाठी से कई वार किए। इस दौरान वहां मौजूद लोग और राहगीर घटना का वीडियो बनाते रहे। किसी ने भी बीच-बचाव कर उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल: जिला अस्पताल में मरीजों और परिजनों की सुरक्षा के लिए गार्ड्स की तैनाती की गई है। इसके बावजूद अस्पताल परिसर में सरेआम हुई इस मारपीट से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। काफी देर तक चली इस झड़प को रोकने के लिए कोई जिम्मेदार स्टाफ मौके पर नहीं पहुंचा।

नेपानगर में 60 लीटर महुआ शराब जब्त, तस्कर गिरफ्तार,बाइक से बेच रहा था, आरोपी गुंडा लिस्ट में शामिल

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के नेपानगर पुलिस ने चुना भट्टा गजानंद मंदिर के पास से रविवार को एक व्यक्ति को 60 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी बाइक से शराब बेच रहा था। सहायक उपनिरीक्षक सुनील दुबे और आरक्षक लालसिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बाइक पर बोरी में शराब लेकर बेचने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी जितेंद्र पिता केसरिया गोरे (32) निवासी ग्राम डवाली को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपी की बाइक (एमपी 11 एनसी- 2299) की टंकी पर रखी बोरी से 120 पन्नियों में भरी आधा-आधा लीटर कच्ची महुआ शराब मिली। कुल 60 लीटर शराब जब्त की गई। आरोपी के पास शराब बेचने का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। थाना प्रभारी ज्ञानू जायसवाल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34-2 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस शराब के स्त्रोत को लेकर आरोपी से पूछताछ कर रही है। टीआई ने यह भी बताया कि गिरफ्तार आरोपी नेपानगर थाने की गुंडा लिस्ट में भी शामिल है।

आंगनबाड़ी से स्कूल तक: जिले के 14533 बच्चों का कक्षा पहली में शत-प्रतिशत प्रवेश

कलेक्टर के निर्देशों पर विशेष अभियान, सभी पात्र बच्चों का प्राथमिक विद्यालयों में हुआ दाखिला

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। । विदिशा जिले में बाल शिक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले की समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों से पास आउट हुए बच्चों का कक्षा पहली में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत 14533 बच्चों का शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में सफलतापूर्वक दाखिला कराया गया है। सोमवार को आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने इस अभियान की प्रगति और उपलब्धियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अभियान के निर्धारित लक्ष्य की पूर्ण प्राप्ति पर महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा मैदानी स्तर पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी संबंधितों को धन्यवाद ज्ञापित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत ऐसे सभी बच्चे, जिन्होंने छह वर्ष की आयु पूर्ण कर ली थी, उन्हें नियमानुसार कक्षा पहली में प्रवेश दिलाया गया है। अभियान के दौरान प्रत्येक बच्चे का सर्वेक्षण कर उसकी शैक्षणिक निरंतरता सुनिश्चित की गई, जिससे कोई भी पात्र बच्चा विद्यालयी शिक्षा से वंचित न रहे।

जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर 'पल्स पोलियो अभियान' का शुभारंभ किया

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को जनप्रतिनिधियों ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पोलियो बूथ पर 5 वर्ष तक आयु के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर राष्ट्रीय पल्स पोलियों अभियान का शुभारंभ किया। स्थानीय केवलराम चौराहा स्थित पोलियो बूथ पर खण्डवा विधायक श्रीमति कंचन तनवे ने दवा पिलाई, जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मूंदी में मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, और नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति ज्योतिबाला राठौर ने बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई। मेडिकल कॉलेज सह जिला चिकित्सालय खंडवा के ''बी'' ब्लाक पोलियो बूथ पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ओ.पी.जुगतावत ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर पल्स पोलियों अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ.अनिरुद्ध कौशल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल और आरएमओ डॉ.एम.एल.कलमें ने भी बच्चों को दवा पिलाई। इस दौरान बच्चों के परिजन भी उपस्थित थे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अनिल तंतवार ने बताया कि 29 व 30 जून को छूटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर दवा पिलाई जायेगी।

नशा मुक्ति अभियान में 150 से अधिक युवाओं ने लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अजंता ललित कला समाज कल्याण समिति तथा परिवर्तन नशा मुक्ति केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल प्राइवेट आईटीआई में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने तथा समाज में जनजागरण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नशा मुक्त भारत अभियान के राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं मुख्य वक्ता वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में नशे जैसी सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' जैसे जनआंदोलन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिले के विद्यार्थी सामूहिक रूप से आगे आकर इस अभियान को सफल बनाएंगे और समाज में जागरूकता का वातावरण तैयार करेंगे।

उन्होंने बताया कि नशे पर नियंत्रण के लिए जनजागृति सबसे प्रभावी माध्यम है। युवाओं को नशा मुक्ति अभियान से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा विकसित पर्सनल डैशबोर्ड की जानकारी भी दी गई, जिसके माध्यम से नशा मुक्ति मित्र अपने योगदान को ट्रैक कर सकते हैं तथा जागरूकता एवं आउटरीच गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित कर सकते हैं।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध जिले भर की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।जिनसे विद्यार्थियों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति समझ और चेतना विकसित हुई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा नशे की तस्करी और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए कठोर कानून बनाए गए हैं, किंतु जागरूकता के अभाव में युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में आ रहा है। उन्होंने कहा कि नशा एक गंभीर मानसिक एवं सामाजिक समस्या है, जिसका समय रहते उपचार और परामर्श के माध्यम से प्रभावी नियंत्रण संभव है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अवध बिहारी खरे ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जिसके उन्मूलन के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर निरंतर प्रयास करना होगा।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जो समस्या कभी युवावस्था तक सीमित थी, वह अब किशोरावस्था और बाल्यावस्था तक पहुंच रही है, जो समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। उन्होंने गांव-गांव तक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की धर्मगुरु सपना दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने युवाओं को आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों से जुड़ने का संदेश देते हुए कहा कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन ही वास्तविक शक्ति है। उन्होंने कहा कि एक बार व्यक्ति नशे की गिरफ्त में आ जाए तो उससे बाहर निकलना अत्यंत कठिन हो जाता है और वह अनेक शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का शिकार बन सकता है। इसलिए समय रहते नशे से दूरी बनाना ही सबसे बड़ा समाधान है। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में प्राप्त उपलब्धियों और प्रगति की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में युवाओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी मालती लोधी, सामाजिक न्याय विभाग के नितिन दुबे सहित विभागीय अधिकारी, संस्था प्रतिनिधि, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मंदसौर में मानसून की एंट्री, झमाझम बारिश, दोपहर बाद बदला मौसम, किसानों को राहत

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मानसून की आमद हो चुकी है। रविवार दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव आया और जिला मुख्यालय सहित कई क्षेत्रों में तेज बारिश शुरू हो गई। मूसलाधार बारिश से पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत मिली। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। रविवार सुबह तक तेज धूप और उमस से लोग परेशान थे। दोपहर बाद आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ वर्षा प्रारंभ हो गई। शहर की सड़कों पर पानी बहने लगा, तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित अंदर ब्रिजों में पानी जमा हो गया जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। यह इस मानसून सीजन की अब तक की सबसे तेज बारिश बताई जा रही है। मंदसौर शहर के अतिरिक्त मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, बही पार्श्वनाथ, नारायणगढ़, दलौदा, सोनगरी, बाजखेड़ी, नाहरगढ़ और सीतामऊ सहित आसपास के कई क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। इससे पूरे वातावरण में ठंडक घुल गई और लोगों को गर्मी से निजात मिली।

फसल बुआई में जुटे किसान: मानसून की शुरुआत के साथ ही जिले के किसान खरीफ फसलों की बुवाई और अन्य कृषि तैयारियों में जुट गए हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आगामी दिनों में इसी तरह अच्छी वर्षा होती रही तो खरीफ सीजन बेहतर रहने की पूरी संभावना है।

पिपरिया में पल्स पोलियो अभियान शुरू

17 हजार 500 का था लक्ष्य 13 हजार 500 बच्चों को पिलाई दवा

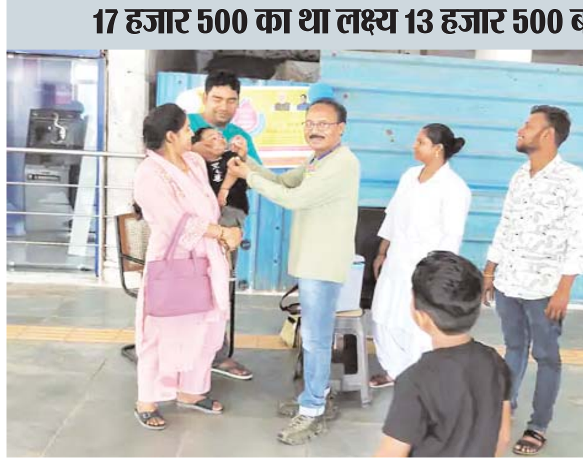

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हुई। सिविल अस्पताल पिपरिया से बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान शुरू किया गया।

लक्ष्य और शुरुआत: ब्लॉक में करीब 17,500 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। शाम तक 13,500 बच्चों को खुराक दी जा चुकी थी। अभियान की शुरुआत जनपद पंचायत पिपरिया की स्वास्थ्य समिति सभापति ने नवजात बच्चों को दवा पिलाकर की।

स्वास्थ्य विभाग की तैयारी: खंड चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि पोलियो से बचाव का एकमात्र उपाय समय पर खुराक देना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें बूथों और घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिला रही हैं ताकि कोई भी बच्चा छूट न जाए। विकासखंड में 197 बूथ, 7 ट्रांजिट पॉइंट और 3 मोबाइल टीमें लगाई गई हैं। इनका लक्ष्य लगभग 18 हजार बच्चों तक पहुंचना है।

रेलवे क्षेत्र में भी अभियान: रेलवे कॉलोनी और रेलवे स्टेशन पर भी विशेष बूथ लगाए गए।

स्कूल परिसरों में ही बनें नए आंगनबाड़ी भवन, निजी भवनों से केंद्रों को शासकीय भवनों में करें शिफ्ट

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जिले में निर्मित किए जाने वाले सभी नवीन आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर स्कूल परिसरों में ही कराया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को आंगनबाड़ी केंद्र भवनों के लिए आवश्यक भूमि आबंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय समन्वय के माध्यम से ऐसे स्थलों का चयन किया जाए, जहां बच्चों एवं हितग्राहियों को सुगमता से सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि वर्तमान में निजी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को यथाशीघ्र शासकीय रिक्त भवनों में स्थानांतरित किया जाए। इस कार्य में शासकीय स्कूल भवनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शासकीय परिसरों में केंद्र संचालित होने से व्यवस्थाओं में सुधार होगा तथा बच्चों की सुरक्षा एवं सुविधा भी सुनिश्चित होगी।.

छतरपुर में पल्स पोलियो अभियान शुरू

3.04 लाख बच्चों को घर-घर मिलेगी दवा, 2382 बूथ और 6510 कर्मी तैनात

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान रविवार को जिला अस्पताल से शुरू हो गया। अपर कलेक्टर विनय द्विवेदी ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एसडीएम प्रशांत अग्रवाल, सीएमएचओ डॉ. आर.पी. गुप्ता, तहसीलदार पीयूष दीक्षित और डीपीएम राजेंद्र खरे सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 3 लाख 4 हजार 334 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभियान के पहले दिन बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई गई। अब 29 और 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाएंगी।

सीएमएचओ डॉ. आर.पी. गुप्ता ने बताया कि कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर अभियान के सफल संचालन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। जिलेभर में 2,382 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां 6,510 टीम सदस्यों की ड्यूटी लगाई गई है। अभियान की निगरानी के लिए 244 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं, जबकि वैक्सीन के सुरक्षित भंडारण और वितरण हेतु 28 फोकल प्वाइंट बनाए गए हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आनंद चौरसिया ने जानकारी दी कि सभी विकासखंडों में माइक्रोप्लान तैयार कर लिए गए हैं और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। इसका उद्देश्य पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को मजबूत बनाना है।

कुएं में गिरा क्रेन का बकेट, दो मजदूर गंभीर घायल, खंडवा में संकरे कुएं में सिर बचाते समय विक्रम का हाथ धड़ से हथेली तक फटा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में रविवार को कुएं के गहरीकरण के दौरान क्रेन मशीन का बकेट टूटकर कुएं में जा गिरा, जिससे कुएं में उतरे दो मजदूर चपेट में आ गए। हादसा इतना भयावह था कि एक मजदूर का हाथ धड़ से लेकर हथेली तक फट गया। बुरी तरह जख्मी दोनों मजदूरों को ग्रामीण जिला अस्पताल लेकर आए। जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना कोहदड़ क्षेत्र के ग्राम खापरी में हुई। गांव में खंडवा के एक व्यापारी का खेत है। खेत पर कुएं की खुदाई का काम चल रहा था। जगतपुरा गांव के मंगत नाम के ठेकेदार की क्रेन मशीन लगी हुई थी। वहीं दो मजदूर दिनेश और विक्रम नजदीक के गांव पाडल्या के रहने वाले हैं। दोनों कुएं से मलबा निकालने के लिए नीचे उतरे थे। मलबा निकालने के दौरान ही क्रेन मशीन का बकेट अचानक टूटकर कुएं में गिर गया। वह सीधे मजदूरों पर गिरा। घायलों को रेस्क्यू करके ग्रामीणों ने बाहर निकाला और अस्पताल लेकर आए।

29 जून 2024 हमेशा आपका जश्न मनाते रहेंगे

सूर्यकुमार यादव ने भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत को किया याद

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत के पूर्व T20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भारत की आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2024 की जीत की दूसरी सालगिरह पर एक दिल छू

लेने वाला मैसेज शेयर किया। उन्होंने टीम के यादगार सफर के दौरान फैंस के अटूट समर्थन के लिए उनका शुक्रि

या अदा किया। भारत ने 29 जून 2024 को बारबाडोस में हुए शानदार फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता और आईसीसी ट्रॉफी के लिए 11 साल का इंतजार खत्म किया।

सोमवार को एक्स पर सूर्यकुमार ने उन त्यागों और यादगार पलों को याद किया जिनकी वजह से 29 जून 2024 को भारत ने ख़िताब जीता। सूर्यकुमार ने लिखा, खेल में कुछ पल ऐसे होते हैं जो हमेशा आपके साथ रहते हैं। हर त्याग, हर मुश्किल, हर प्रैक्टिस सेशन, स्टैंड्स से मिला हर चीयर - इन सबने मिलकर उस यादगार रात को मुमकिन बनाया। मुझे गर्व है कि मैंने इसे शानदार लोगों के साथ शेयर किया और दुनिया भर के लाखों भारतीयों के साथ इसका अनुभव किया।

स्टार बल्लेबाज ने उन समर्थकों का भी शुक्रि

या अदा किया जो टूर्नामेंट से पहले, उसके दौरान और उसके बाद भी टीम के साथ खड़े रहे। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने आगे कहा, उस फाइनल से पहले, उसके दौरान और उसके काफी समय बाद भी अपना प्यार दिखाने के लिए शुक्रि

या। 29 जून 2024। हमेशा आपका जश्न मनाते रहेंगे।

2024 में इसी दिन रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप जीता और आईसीसी खिताब के लिए 11 साल का इंतजार खत्म किया। इस जीत ने दुनिया भर के लाखों क्रि

केट फैंस के लिए एक यादगार पल बनाया। भारत की यह जीत लगातार अच्छा प्रदर्शन और मजबूत जज्बे पर आधारित एक ऐसी मुहिम का नतीजा थी जिसमें टीम एक भी मैच नहीं हारी।

मेन इन ब्लू ने टूर्नामेंट की मजबूत शुरुआत की और ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराया।

इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड को आसानी से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में भारत ने 176/7 का स्कोर बनाया, जो टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास में पहली पारी का सबसे बड़ा स्कोर था। साउथ अफ्रीका ने भी जबरदस्त टक्कर दी, लेकिन भारत ने आखिरी पलों में संयम बनाए रखा और ट्रॉफी जीत ली।

इस जीत ने आईसीसी टाइटल के लिए एक दशक से चले आ रहे इंतजार को खत्म किया और बड़े टूर्नामेंटों में दिल तोड़ने वाली हार के सिलसिले पर भी रोक लगाई, जिनमें 2014 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल, 2015 वनडे वर्ल्ड कप सेमी-फाइनल, 2019 वनडे वर्ल्ड कप सेमी-फाइनल और 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल शामिल हैं। इस जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने T20 से संन्यास ले लिया था।

इन 5 कारणों की वजह से टीम इंडिया ने पहली बार गंवाई आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ पहली बार टी20 इंटरनेशनल सीरीज गंवानी पड़ी। बेलफास्ट में खेले गए दूसरे टी20 में एक रनों की रोमांचक जीत के साथ आयरलैंड ने दो मैचों की टी20 सीरीज को 2-0 से हराया। आइए आपको बताते है किन पांच कारणों के चलते टीम इंडिया को झेलनी पड़ी शर्मनाक हार। टॉप ऑर्डर बुरी तरह फेल- भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर का प्रदर्शन इस सीरीज में बेहद निराशाजनक रहा। खासतौर पर संजू सैमसन सीरीज में बुरी तरह से फ्लॉप रहे। सैमसन ने पहले टी20 में 5 रन बनाए, जबकि दूसरे मैच में वह खाता तक नहीं खोल सके। अभिषेक ने पहले टी20 में 49 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह दूसरी पारी में डक पर आउट हुए। ईशान किशन दो मुकाबलों में कुल मिलाकर महज 13 रन ही बना सके। उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे कप्तान अय्यर- हालिया फॉर्म को देखते हुए श्रेयस अय्यर से आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद थी। हालांकि, बतौर कप्तान पहली टी20 सीरीज में अय्यर का बल्ला पूरी तरह से खामोश रहा। अय्यर दो मुकाबलों में महज 13 रन ही बना सके। टॉप ऑर्डर के फेल होने के बाद अय्यर की नाकामी भारतीय टीम को काफी भारी पड़ी। खोखला नजर आया मध्यक्र

म- भारतीय टीम का मध्यक्र

म इस सीरीज में खोखला नजर आया।

हार्दिक पांड्या की कमी टीम इंडिया को साफतौर पर खली। अय्यर, अक्षर पटेल, और शिवम दुबे बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। वहीं, तिलक ने दूसरी टी20 में अर्धशतक तो लगाया, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट महज 119 का रहा। गड़बड़ नजर आया टीम कॉम्बिनेशन- भारत का दोनों ही टी20 मुकाबले में टीम कॉम्बिनेशन गड़बड़ नजर आया। आयरलैंड की पिच पर पहले टी20 में वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल के रूप में दो स्पिनर्स के साथ उतरने का फैसला टीम के खिलाफ गया। सुंदर से पहले टी20 में सिर्फ एक ओवर करवाया गया, जिसमें उन्होंने 19 रन दिए। वहीं, पहले टी20 में प्रसिद्ध कृष्णा को खिलाने का निर्णय भी सवालों के घेरे में रहा। कृष्णा ने 4 ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट लिए 57 रन दिए। बेंच पर बैठे रह गए वैभव सूर्यवंशी- पहले टी20 में बल्लेबाजों की नाकामी के बावजूद टीम मैनेजमेंट ने 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर दूसरे टी20 मुकाबले के लिए भरोसा नहीं जताया। वैभव भारत ए की तरफ से ट्राई सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन करके लौटे थे और वह अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते थे।

स्टार खिलाड़ी एम्मा राडुकानू को झटका

चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली ,एजेंसी। विंबलडन 2026 शुरू होने से ठीक पहले ब्रिटेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एम्मा राडुकानू को बड़ा झटका लगा है। 2021 यूएस ओपन चैंपियन चोट के कारण इस प्रतिष्ठित ग्रैंड स्लैम से हट गई हैं। मेडिकल स्कैन में उनके दाहिने पैर के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत आराम करने की सलाह दी। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का सपना टूटने से राडुकानू बेहद भावुक नजर आई और उन्होंने इसे अपने करियर के सबसे कठिन पलों में से एक बताया।

चोट के कारण विंबलडन से हटीं राडुकानू

23 वर्षीय एम्मा राडुकानू सोमवार को विंबलडन के पहले दौर में क्र

ोएशिया की एंटोनिया रुजिच का सामना करने वाली थीं। हालांकि मैच से एक दिन पहले हुए अंतिम मेडिकल स्कैन में उनके दाहिने पैर के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला, जिसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस लेने का फैसला किया।

भावुक बयान में छलका दर्द

टूर्नामेंट से हटने के बाद राडुकानू ने कहा कि उन्होंने कोर्ट पर उतरने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन आखिरकार मेडिकल सलाह का सम्मान करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैंने विंबलडन खेलने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन अंतिम स्कैन में पता चला कि जिस दर्द को मैं संभाल रही थी, वह अब स्ट्रेस फ्रैक्चर में बदल चुका है। डॉक्टरों ने आगे खेलने से मना किया है। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू दर्शकों के सामने विंबलडन खेलना उनके लिए बेहद खास होता और इस तरह बाहर होना स्वीकार करना आसान नहीं है। 2021 यूएस ओपन चैंपियन का संघर्ष जारी राडुकानू ने 2021 में यूएस ओपन जीतकर इतिहास रचा था, लेकिन इसके बाद उनका करियर लगातार चोटों से प्रभावित रहा। पिछले कुछ वर्षों में उन्हें कई बार लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहना पड़ा। हालांकि इस बार घास के कोर्ट सीजन में उन्होंने शानदार प्रदर्शन के संकेत दिए थे।

धीमी बल्लेबाजी, कमजोर पेस अटैक

इन 5 वजहों से टूटा भारतीय महिला टीम का टी20 विश्व कप जीतने का सपना

नई दिल्ली ,एजेंसी। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतने के कारण महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम से काफी उम्मीदें थीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को खिताब का प्रबल दावेदार भी माना जा रहा था। हालांकि, रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के साथ ही टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। मध्यक्र

म की धीमी बल्लेबाजी-भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने कई मुकाबलों में ताबड़तोड़ शुरुआत दी, लेकिन मध्यक्र

म की धीमी बल्लेबाजी टीम को काफी महंगी पड़ी। खासतौर पर जेमिमा रोड्रिग्स जरूरत से ज्यादा धीमी बैटिंग करती नजर आई, जिसका खामियाजा भारतीय टीम को भुगतना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी जेमिमा ने 34 रन बनाने के लिए 28 गेंदें खेलीं। बीच के ओवरों में अधिक डॉट गेंदें खेलने का भी भारतीय टीम को नुकसान उठाना पड़ा। खुद कप्तान हरमनप्रीत का पूरे टूर्नामेंट में स्ट्राइक रेट 131 का ही रहा। खराब फील्डिंग और कैच छोड़ना पड़ा भारी- भारतीय टीम की टूर्नामेंट में फील्डिंग बेहद साधारण रही। खिलाड़ियों ने मुकाबले के कई अहम मौके पर कैच छोड़े। इसके साथ ही भारतीय फील्डर्स ने खराब फील्डिंग के कारण कई अतिरिक्त रन भी दिए, जो टीम को अंत में भारी पड़े। खराब फील्डिंग की वजह से भारतीय गेंदबाज विपक्षी टीम की बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम रहीं।

तेज गेंदबाजी दिखी बेअसर- इंग्लैंड जैसी बेहतरीन परिस्थितियों में भी भारतीय तेज गेंदबाज विकेटों के लिए जूझती हुई नजर आई। रेणुका सिंह ने कुल 2 विकेट लिए और उनका इकोनॉमी 8.85 का रहा। वहीं, क्र

ांति गौड़ और नंदिनी शर्मा जैसी गेंदबाज भी बेअसर दिखाई दीं। श्री चरणी ने जरूर टूर्नामेंट में 14 विकेट चटकाए, लेकिन उन्हें तेज गेंदबाजों का साथ नहीं मिल सका।

जरूरत से ज्यादा स्पिनर्स पर निर्भरता-भारतीय टीम इस विश्व कप में जरूरत से ज्यादा स्पिन गेंदबाजों पर निर्भर नजर आई।

मेरे करियर का सबसे मुश्किल फैसला

संन्यास के बाद भावुक हुए बेन स्टोक्स

नई दिल्ली ,एजेंसी। इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रि

केट से संन्यास लेने के बाद पहली बार अपने फैसले पर खुलकर बात की। स्टोक्स ने स्वीकार किया कि यह फैसला लेना उनके लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से बेहद कठिन था। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की कप्तानी करना उनके करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा, लेकिन लगातार जिम्मेदारियों और शारीरिक-मानसिक दबाव ने उन्हें यह कठिन कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया।

संन्यास के फैसले पर पहली बार बोले बेन स्टोक्स

15 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत करने के बाद बेन स्टोक्स ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से वह इस फैसले को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने माना कि यह उनके जीवन के सबसे कठिन फैसलों में से एक रहा। स्टोक्स ने कहा, यह फैसला लेना वास्तव में बहुत मुश्किल था। कप्तानी करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जो रूट जैसे कप्तान इस जिम्मेदारी को अच्छी तरह समझते हैं। इंग्लैंड की टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सबसे खास अनुभव रहा। शारीरिक और मानसिक थकान बनी सबसे बड़ी वजह स्टोक्स ने बताया कि केवल शरीर ही नहीं बल्कि मानसिक दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा था। कप्तानी की जिम्मेदारी निभाते-निभाते वह खुद को पहले जैसा महसूस नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा कि परिवार ने भी इस दौरान उनके संघर्ष को बेहद करीब से देखा। हालिया लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि जिस जुनून के साथ वह इतने साल क्रि

केट खेलते रहे, वह अब पहले जैसा नहीं बचा है। इसी वजह से उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया। स्टोक्स ने यह भी माना कि यह फैसला कुछ लोगों को स्वार्थी लग सकता है, लेकिन उन्हें विश्वास है कि यह उनके और इंग्लैंड क्र

–दोनों के भविष्य के लिए सही कदम है। क्र

विश्व कप जीत से लेकर बैजबॉल तक, यादगार रहा करियर

बेन स्टोक्स का करियर इंग्लैंड क्रि

केट के सबसे सुनहरे दौर का हिस्सा रहा। 2019 वनडे विश्व कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक पारी क्रि

केट इतिहास की सबसे यादगार पारियों में गिनी जाती है। साल 2022 में जो रूट के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने के बाद स्टोक्स ने आक्र

ामक बैजबॉल शैली को अपनाया, जिसने इंग्लैंड टेस्ट क्रि

केट की तस्वीर बदल दी।

कोचिंग स्टाफ में नहीं करना चाहते शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम को रविवार को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही आयरलैंड ने भारत के खिलाफ पहली बार टी20 सीरीज को अपने नाम किया। टीम इंडिया के सीरीज गंवाने के बाद आइसलैंड क्रि

केट ने हेड कोच गौतम गंभीर का मजाक उड़ाया है। आइसलैंड क्रि

केट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हम कन्फर्म कर सकते हैं कि हम गौतम गंभीर को अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल नहीं करना चाहते। हालांकि, उनमें साफ तौर पर टैलेंट है।

उन भारतीय खिलाड़ियों को लेकर आयरलैंड में ऐसे नतीजे देना वाकई कमाल का टैलेंट है। भारतीय टीम का प्रदर्शन लगातार दूसरे टी20 मुकाबले में बेहद निराशाजनक रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की ओर से हैरी टेक्टर ने 47 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 5 चौके और एक छक्का लगाया।

इंटर-स्टेट एथलेटिक्सः रोहित यादव ने 87.05 मीटर थ्रो के साथ जीता गोल्ड मेडल

भुवनेश्वर ,एजेंसी। कलिंगा स्टेडियम में आयोजित हुई 65वीं नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के आखिरी दिन जेवलिन थ्रो स्पर्धा में रोहित यादव का जलवा देखने को मिला। रोहित ने 87.05 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। रविवार को अपने इस थ्रो के साथ ही रोहित इस सीजन में भारत की ओर से सबसे लंबी दूर का थ्रो फेंकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही वह श्रीलंका के रमेश थरंगा पथिरगे (92.62 मीटर) के बाद दुनिया के टॉप थ्रोअर की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं, जो 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर हैं। रोहित का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है क्योंकि उनका पिछला बेस्ट 83.04 मीटर था, जो उन्होंने 2023 में हासिल किया था। इस बार उन्होंने न सिर्फ अपना व्यक्तिगत रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि मीट रिकॉर्ड से भी बेहतर प्रदर्शन किया, जो पहले 84.35 मीटर था। रोहित यादव की सीरीज भी काफी मजबूत रही। उन्होंने 77.71 मीटर, 77.63 मीटर, एक फाउल (नो मार्क), 77.51 मीटर, 79.40 मीटर और फिर अंतिम प्रयास में 87.05 मीटर का थ्रो किया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वह अपनी लय पकड़ने में संघर्ष कर रहे थे, लेकिन आखिरी थ्रो में उन्हें सही रिदम मिली और उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

मैच के बाद 25 वर्षीय रोहित यादव ने कहा कि इस प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि वह ट्रेनिंग में 86ङ्क87 मीटर तक थ्रो कर रहे थे, लेकिन प्रतियोगिता में पहले वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें उम्मीद है कि वह आने वाले बड़े टूर्नामेंट में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रोहित ने खुशी जताई कि वह बड़ी प्रतियोगिता से पहले नया बेंचमार्क सेट करने में सफल रहे। पुरुषों की जेवलिन स्पर्धा में यशवीर सिंह ने 83.72 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सचिन यादव 82.32 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

फार्मर रजिस्ट्री के कार्य पर फोकस करें राजस्व अधिकारी

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर के निर्देष

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले में फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित गति नहीं आने पर जिले के राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस सप्ताह राजस्व अधिकारी फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में फोकस करें। उन्होंने कहा कि एसडीएम और तहसीलदार प्रतिदिन पटवारियों द्वारा किये गये कार्य की प्रगति की समीक्षा करें। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरण अवमानना प्रकरण, रोड सेफ्टी, पीएम राहत, ई-विकास प्रणाली से खाद वितरण खरीफ फसल बोनी सहित रेल्वे, राष्ट्रीय राजमार्ग, एयरपोर्ट, एनवीडीए, ब्रिज, पीडब्ल्यूडी विभाग की परियोजना कार्यो और समन्वय के मुद्दों पर चर्चा की इस अवसर पर आयुक्त नगर शेर सिंह मीना, अपर कलेक्टर विकास सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाडिया, सुभाष मिश्रा, एलआर जांगडे सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जिले की सभी तहसीलों में एक दिन में औसतन एक हजार फार्मर रजिस्ट्री भी नहीं हो पा रही रघुराजनगर तहसील की प्रगति सबसे कम 14 प्रतिशत है उन्होंने कहा कि एसडीएम सिटी और ग्रामीण संयुक्त रूप से रणनीति बनाकर फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित प्रगति लाये। कलेक्टर ने खरीफ फसल की बोनी और खाद वितरण की समीक्षा में कहा कि कृषि उत्पादन आयुक्त की बैठक के निर्णय बिन्दुओं पर सभी संबंधित विभाग अपनी कार्यवाहियां पूरी करें स्वरोजगार योजनाओं में बैंक से संबंधित सभी विभाग अपनी योजनाओं के लक्ष्य अनुसार शत-प्रतिशत प्रकरण अगस्त माह तक पूर्ण रूप से बैंकों में प्रस्तुत कर दें। इसके बाद इस प्रकरणों में स्वीकृत वितरण की कार्यवाही की जा सके प्रसूति सहायता योजना के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पतालवार और एएनएमवार शिकायतों का विश्लेषण करें जिन संस्थाओं के प्रकरण अधिक संख्या में लंबित हो उन्हें नोटिस दे और जिन ए.एन.एम. की लापरवाही से प्रकरण लंबित हो उन्हें सेवा समाप्ति का नोटिस जारी करें बैठक में जनकल्याण शिविर और अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों पर भी चर्चा की गई कलेक्टर ने कहा कि औषधि निरीक्षक मेडिकल दुकानों की सतत रूप से जांच कराये।

रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी बैठक 2 जुलाई को, स्वास्थ्य सेवाओं की होगी समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला चिकित्सालय सतना की रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आगामी 2 जुलाई को आयोजित की जाएगी बैठक प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सतना के सभाकक्ष में संपन्न होगी बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस करेंगे बैठक में जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं, रोगियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा समिति के विभिन्न विकास एवं प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की जाएगी सिविल सर्जन एवं रोगी कल्याण समिति के सचिव डॉ. अमर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में समिति के सभी संबंधित सदस्य एवं अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से निर्धारित समय पर बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया है, ताकि विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जा सकें बैठक के दौरान जिला चिकित्सालय में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग चिकित्सा उपकरणों के रखरखाव, स्वच्छता व्यवस्था, दवा उपलब्धता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा किए जाने की संभावना है इसके साथ ही रोगी कल्याण समिति से संबंधित वित्तीय एवं विकास कार्यों की प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा रोगी कल्याण समिति अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है समिति की नियमित बैठकों के माध्यम से अस्पतालों की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाते हैं जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों से समय पर बैठक में उपस्थित होकर विभागीय जानकारी एवं आवश्यक प्रतिवेदन के साथ आने का आग्रह किया है, जिससे बैठक में लिए जाने वाले निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

वार्ड क्रमांक 09 में 34.32 लाख की नाली निर्माण परियोजना का भूमिपूजन सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के वार्ड क्रमांक 09 में 34.32 लाख की लागत से प्रस्तावित नाली निर्माण परियोजना का भूमिपूजन रविवार को महापौर योगेश कुमार ताम्रकार द्वारा किया गया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए नगर निगम लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहा है महापौर ने कहा कि यह निर्माण कार्य वार्डवासियों की वर्षों पुरानी मांग को ध्यान में रखते हुए स्वीकृत किया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कार्य गुणवत्ता के साथ और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाएगा। नाली निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा, जिससे बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या में काफी हद तक राहत मिलेगी। इससे स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ सुरक्षित एवं बेहतर आवागमन सुविधा प्राप्त होगी कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, एम.आई.सी. सदस्य एवं वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद आदित्य यादव, वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद कपसा देवी तिवारी, मंडल अध्यक्ष दीपेंद्रनाथ त्रिपाठी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा शारदा तिवारी, विष्णु तिवारी, बी.के. पाण्डेय, कृष्णा ताम्रकार, एस.एन. तिवारी, रमेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे स्थानीय नागरिकों ने नाली निर्माण परियोजना के भूमिपूजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और नगर निगम प्रशासन का आभार जताया नागरिकों का कहना था कि लंबे समय से क्षेत्र में जल निकासी की समस्या बनी हुई थी जिससे वर्षा ऋतु में काफी परेशानी होती थी इस निर्माण कार्य के शुरू होने से अब क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं में सुधार की उम्मीद बढ़ी है नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत आधुनिक तकनीक और मानक गुणवत्ता के अनुसार नाली निर्माण कराया जाएगा जिससे दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

मझगवां CHC में पुलिस का साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला पुलिस बल सतना के निर्देशन में मझगवां थाना पुलिस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) परिसर में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, मरीजों और उनके परिजनों को ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक करना था अभियान के दौरान प्रधान आरक्षक ब्रम्हदत्त शुक्ला, दयाराम बैगा, आरक्षक रविकांत यादव, सूर्यदेव सूर्यवंशी, महंत सिंह सहित पुलिस बल के अन्य जवान उपस्थित रहे। पुलिस कर्मियों ने अस्पताल पहुंचे ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं को एकत्र कर साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी कार्यक्रम में एक विशेष सूचना बैनर भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें महिलाओं के लिए आवश्यक साइबर सुरक्षा उपायों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रहने के नियमों को प्रमुखता से दर्शाया गया था। पुलिस ने नागरिकों को समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाता, एटीएम पिन या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर प्रतिक्रिया देने से बचें इस दौरान पुलिस कर्मियों द्वारा पंपलेट एवं प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया साथ ही लोगों को साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन नंबर या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई कार्यक्रम में स्वास्थ्य केंद्र का स्टाफ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक और पुलिस बल के सदस्य मौजूद रहे उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की।

सतना-चित्रकूट मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, एक युवक की मौत, दो गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना-चित्रकूट मार्ग पर रविवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि बाइक सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हादसा मझगवां थाना क्षेत्र के अमिलिया मोड़ के पास हुआ जहां तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए पुलिस के अनुसार बाइक पर सवार तीनों युवक सतना से अपने गांव लौट रहे थे अमिलिया मोड़ के समीप पहुंचने पर तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही मझगवां थाना पुलिस एवं डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय नागरिकों की सहायता से तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के दौरान गुझवां निवासी सुनील कोल (36) ने दम तोड़ दिया वहीं गंभीर रूप से घायल दो अन्य युवकों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है जहां उनका इलाज जारी है पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है अधिकारियों द्वारा सड़क किनारे खड़े ट्रक हादसे के कारणों तथा अन्य परिस्थितियों की जांच की जा रही है इस दुर्घटना के बाद सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य मार्गों पर बिना पर्याप्त संकेतक या सुरक्षा इंतजाम के खड़े भारी वाहन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं।

देवदत्त सोनी बने स्वजतीय स्वर्णकार समाज विकास समिति (मप्र-छग) के प्रदेश अध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर के जिला पंचायत सदस्य देवदत्त सोनी को स्वजतीय स्वर्णकार समाज विकास समिति (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है चुनाव में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को लगभग 65 मतों से पराजित कर यह उपलब्धि हासिल की प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद देवदत्त सोनी के समर्थकों एवं स्वजातीय समाज में उत्साह का माहौल देखा गया उनकी जीत पर ओबीसी समाज के विभिन्न वर्गों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने भी देवदत्त सोनी को बधाई दी शुभकामनाएं देने वालों में मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, भाजपा पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष सत्यभान पटेल, मंडल अध्यक्ष विकास तिवारी, कुलदीप तिवारी, दिनेश मौर्य सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे इसके अलावा पत्रकार प्रकाश सोनी, विकास सोनी, मनोज सोनी, सत्य प्रकाश कुशवाहा, पंकज कुशवाहा एवं नीरज कुशवाहा सहित अन्य लोगों ने भी उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की नव-निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष देवदत्त सोनी ने समाज के विकास, एकता और युवाओं के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

ढाबे में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और लूट का आरोप कर्मचारी घायल, पुलिस ने दर्ज किया मामला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित एक ढाबे में रविवार रात मारपीट, तोड़फोड़ और कथित लूट की घटना सामने आई है शिकायत के अनुसार दर्जनभर से अधिक युवकों ने ढाबे में घुसकर उत्पात मचाया, कर्मचारी के साथ मारपीट की और नकदी व मोबाइल लेकर फरार हो गए घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, आशीर्वाद ढाबे के कर्मचारी पुष्पराज दहिया ने आरोप लगाया कि 28 जून की रात करीब 9 बजे कुछ युवक ढाबे पर पहुंचे और शराब पीने के लिए पांच हजार रुपये की मांग की विरोध करने पर उन्होंने अपने अन्य साथियों को बुला लिया इसके बाद आरोप है कि सभी ने मिलकर कर्मचारी के साथ लाठी-डंडों और मुक्कों से मारपीट की, जिससे उसके हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि हमलावरों ने ढाबे में रखे फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया तथा जाते समय एक मोबाइल फोन और पांच हजार रुपये नकद अपने साथ ले गए। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी घटना की सूचना मिलने पर ढाबा संचालक और घायल कर्मचारी सिटी कोतवाली थाना पहुंचे, जहां पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है और पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है इच्छुक अभ्यर्थी 25 मई 2026 से 30 जून 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन एवं त्रुटि सुधार कर सकते हैं जबकि संस्था एवं ट्रेड के लिए चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 1 जून से 30 जून 2026 तक जारी रहेगी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि सतना जिले के अंतर्गत सतना, उचेहरा बिरसिंहपुर, बरौंधा, रामपुर बघेलान एवं नागौद में शासकीय आईटीआई संचालित हैं नोडल प्राचार्य द्वारा जानकारी दी गई है कि इन संस्थानों में एससीव्हीटी एवं एनसीव्हीटी के तहत विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं इनमें प्रमुख ट्रेड जैसे इलेक्ट्रीशियन फिटर, कोपा वेल्डर, टर्नर मशीनिस्ट सोलर टेक्नीशियन इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक मोटर व्हीकल मैकेनिक ट्रैक्टर एवं डीजल मैकेनिक कम्प्यूटर हार्डवेयर फैशन टेक्नोलॉजी, स्टेनो हिंदी एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक शामिल हैं। अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट ूण्केकण्उचण्हवअण्पद पर जाकर प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2026 लिंक के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ऑपरेशन सेफ क्लिक के तहत जागरूकता रथ रवाना, साइबर अपराधों से बचाव का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को ऑपरेशन सेफ क्लिक' अभियान के तहत जागरूकता रथ को घंटाघर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि डिजिटल युग में जहां ऑनलाइन सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है, वहीं साइबर अपराधों के मामलों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का सतर्क और जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि थोड़ी-सी लापरवाही भी आर्थिक नुकसान और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग का कारण बन सकती है। इसलिए लोगों को साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाना चाहिए पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि 'ऑपरेशन सेफ क्लिक' अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना और उन्हें ऑनलाइन ठगी से बचने के व्यावहारिक उपाय बताना है उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेगा और लोगों को फर्जी फोन कॉल, ओटीपी फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी निवेश योजनाओं, केवाईसी अपडेट के नाम पर होने वाली ठगी तथा अन्य साइबर अपराधों से बचाव संबंधी जानकारी देगा उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक खाता, एटीएम कार्ड, सीवीवी नंबर या पासवर्ड साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा सोशल मीडिया पर प्राप्त होने वाले लुभावने ऑफर और फर्जी संदेशों की सत्यता की जांच अवश्य करें। यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी होती है तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराए अथवा साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित कराए अभियान के दौरान जागरूकता रथ के माध्यम से पंपलेट, पोस्टर एवं ऑडियो संदेशों के जरिए लोगों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी जाएगी विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों बाजारों एवं सार्वजनिक स्थानों पर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोगों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जा सके कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया जिला पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और सुरक्षित डिजिटल जीवनशैली अपनाकर स्वयं तथा अपने परिवार को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन दिवस पर होंगी विशेष ग्राम सभाएँ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर 19 मार्च से प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन 30 जून 2026 को होगा अभियान के दौरान लगभग 3.62 लाख से अधिक कार्यों का क्रियान्वयन किया गया है जिनमें ग्रामीण, नगरीय, वन, सिंचाई, शिक्षा, औद्योगिक तथा अन्य क्षेत्रों में जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन, जल गुणवता परीक्षण रेन वाटर हार्वेस्टिंग, नदी पुनर्जीवन तथा जन-जागरुकता से संबंधित विविध गतिविधियाँ सम्मिलित हैं जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 का समापन जिले के प्रभारी मंत्रियों की उपस्थिति में समारोह पूर्वक किया जा रहा है उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया जायेगा सम्मानित अभियान के समापन के अवसर पर प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा आयोजित कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संदेश का वाचन किया जाएगा और जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निष्पादित कार्यों, उपलब्धियों तथा लाभान्वित परिवारों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया जाएगा जन-सहभागिता श्रमदान एवं नवाचार के माध्यम से उत्कृष्ट योगदान देने वाले नागरिकों, स्वयंसेवी संगठनों जलदूतों एवं सामुदायिक संगठनों का सम्मान किया जाएगा जल संरक्षण, जल सुरक्षा, भू-जल संवर्धन तथा वर्षा जल संचयन की भावी कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी तथा ग्राम स्तर पर आगामी वर्ष के लिये कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। आगामी 01 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाली विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबीजी रामजी) के विभिन्न आयामों एवं संभावित लाभों के संबंध में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।